RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 104 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 08-11-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 पीढ़ियों से लोगों की चेतना को जागृत करता रहा है 'वंदे मातरम्' : हिमंत
6 चिंताजनक है महिलाओं पर डिजिटल हिंसा की मार
7 नौ साल बाद टीवी पर कमबैक कर रहीं माही विज

विभाजनकारी मानसिकता देश के लिए अब भी चुनौती : प्रधानमंत्री मोदी

■ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर स्पष्ट रूप से हमला करते हुए कहा कि 1937 में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के महत्वपूर्ण छंदों को हटाया गया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर स्पष्ट रूप से हमला करते हुए शुक्रवार को कहा कि 1937 में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के महत्वपूर्ण छंदों को हटा दिया गया था जिसने विभाजन के बीज बोये और इस प्रकार की ''विभाजनकारी मानसिकता'' देश के लिए अब भी चुनौती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक साल तक मनाए जाने वाले स्मरणोत्सव की शुरुआत करते हुए ये टिप्पणियां कीं। मोदी ने इस अवसर पर यहां इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया। मोदी ने कहा, ''वंदे मातरम् भारत के स्वतंत्रता संग्राम की आवाज बन गया। इसने हर भारतीय की भावनाओं को व्यक्त किया। दुर्भाग्य से 1937 में वंदे मातरम् के महत्वपूर्ण छंदों को... उसकी आत्मा के एक हिस्से को निकाल दिया गया। वंदे मातरम् के विभाजन ने विभाजन के बीज भी बोये। आज की पीढ़ी को यह जानने की जरूरत है कि राष्ट्र निर्माण के इस महामंत्र के साथ यह अन्याय क्यों हुआ... यह विभाजनकारी मानसिकता देश के लिए आज भी एक चुनौती है।''

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी किया।

प्रधानमंत्री ने 'वंदे मातरम्' को हर युग में प्रासंगिक बताया और 'ऑपरेशन सिंदूर' का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा, ''जब दुश्मन ने आतंकवाद का इस्तेमाल करके हमारी सुरक्षा और सम्मान पर हमला करने का दुस्साहस किया तो दुनिया ने देखा कि भारत दुर्गा का रूप धारण करना जानता है।''

इससे पहले दिन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने ''जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में अपने सांप्रदायिक एजेंडे को खुलकर आगे बढ़ाते हुए 1937 में 'वंदे मातरम्' के केवल संक्षिप्त संस्करण को पार्टी के राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया'' था।

भाजपा प्रवक्ता सी आर केसवन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''कांग्रेस ने गीत को धर्म से जोड़ने का ऐतिहासिक पाप और भूल की। नेहरू के नेतृत्व वाली कांग्रेस ने वंदे मातरम् के उन छंदों को धार्मिक आधार पर जानबूझकर हटा दिया जिनमें देवी मां दुर्गा की स्तुति की गई थी।''

'वंदे मातरम्' ने आजादी के आंदोलन को दिशा दी : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को दिशा दी और स्वतंत्रता के बाद देश को एकजुट रखने का कार्य किया।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित 'वंदे मातरम्' के 150वें वर्ष समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के जो सपने थे, वे पिछले 11 वर्षों में सामूहिक प्रयासों से साकार हुए हैं।

शाह ने कहा कि यह गीत बंगाली उपन्यासकार बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने अक्षय नवमी के दिन, सात नवम्बर 1875 को लिखा था। उन्होंने कहा, ''इसी दिन बंकिम बाबू ने यह गीत सार्वजनिक किया था, जिसने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को प्रेरणा दी और स्वतंत्रता के बाद भारत को एक सूत्र में बांधे रखा।''

यह गीत सबसे पहले 'बंगदर्शन' नामक साहित्यिक पत्रिका में चट्टोपाध्याय के उपन्यास 'आनंदमठ' के हिस्से के रूप में प्रकाशित हुआ था। शाह ने कहा कि भाजपा ने हमेशा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर बल दिया है। उन्होंने कहा ''मुझे पूरा विश्वास है कि 'वंदे मातरम्' उसी राष्ट्रवाद की प्रेरक शक्ति रहा होगा।'' उन्होंने बताया कि ''वंदे मातरम् 150'' नाम से एक सोशल मीडिया अभियान चलाया जाएगा, जिसके तहत देशवासी इस गीत को अपनी-अपनी भाषाओं में लिखकर राष्ट्रीय एकता को सशक्त करेंगे।

फर्स्ट टेक

सेना ने भारतीय सैन्य अड्डे पर काम कर रहे बांग्लादेशी को पकड़ा

कोलकाता/भाषा। भारतीय सेना ने एक बांग्लादेशी नागरिक को आधार, पैन और मतदाता पहचान पत्र के साथ पकड़ा है जो उत्तर बंगाल में सिलीगुड़ी के पास बेंगडुबी सैन्य अड्डे पर असैन्य मजदूर के रूप में काम कर रहा था। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सैन्य अड्डे पर कार्यरत सभी नागरिक कर्मचारियों के पुन: सत्यापन अभियान के दौरान यह मामला सामने आया। यह सैन्य अड्डा रणनीतिक रूप से संवेदनशील 'चिकन नेक' के करीब स्थित है और वहां एक मजदूर के रूप में काम कर रहे व्यक्ति को संदिग्ध पाया गया। जांच और तलाशी के दौरान उसके पास से बांग्लादेशी राष्ट्रीयता को दर्शाने वाला पहचान पत्र बरामद किया गया है। रक्षा अधिकारी ने एक बयान में कहा, उसके पास से एक आधार कार्ड, एक पैन कार्ड और एक वोटर आईडी कार्ड भी मिला है।

इंडोनेशिया में हाई स्कूल की मस्जिद में कई विस्फोट, 55 लोग घायल

जकार्ता/एपी। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में शुक्रवार की नमाज के दौरान एक हाई स्कूल की मस्जिद में कई विस्फोट हुए जिसमें कम से कम 55 लोग घायल हो गए। घायलों में अधिकतर छात्र थे। पुलिस ने इन अटकलों को खारिज करने की कोशिश की कि ये विस्फोट आतंकवादी हमला थे और कहा कि वे जांच कर रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने स्थानीय टेलीविजन स्टेशनों को बताया कि उन्होंने दोपहर के आसपास कम से कम दो जोरदार धमाके सुने, ठीक उसी समय जब जकार्ता के उत्तरी केलापा गार्डिंग इलाके में नौसेना परिसर के अंदर स्थित सरकारी हाई स्कूल, एसएमए 27 स्थित मस्जिद में धर्मोपदेश शुरू हुआ था। मस्जिद में धुआं भर जाने से छात्र और अन्य लोग दहशत में बाहर भागे।

चीन ने अपने नवीनतम विमानवाहक पोत को बेड़े में शामिल किया

बैंकॉक/एपी। चीन ने अपने नवीनतम विमानवाहक पोत को व्यापक समुद्री परीक्षणों के बाद आधिकारिक रूप से बेड़े में शामिल कर लिया है। सरकारी मीडिया ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। विशेषज्ञों का कहना है कि यह नया पोत दुनिया की सबसे बड़ी नौसेना को अपनी समुद्री सीमाओं से भी आगे अपनी शक्ति को बढ़ाने में मदद करेगा। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने शुक्रवार को बताया कि फुजियान नामक इस विमानवाहक पोत को बुधवार को हैनान द्वीप के सान्या बंदरगाह पर एक समारोह में सेवा में शामिल किया गया।

सूर्यास्त 08-11-2025	सूर्योदय 09-11-2025
5:40 बजे	6:05 बजे

BSE	NSE
83,216.28 (-94.73)	25,492.30 (-17.40)

सोना	चांदी
12,620 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	164,000 रु. प्रति किलो

विरोध प्रदर्शन

कर्नाटक के बेलगावी जिले में गन्ने की 3,500 रुपए प्रति टन खरीद मूल्य की मांग को लेकर किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया।

गुप्त और अवैध परमाणु गतिविधियां पाकिस्तान के इतिहास के अनुरूप हैं : भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने पाकिस्तान द्वारा परमाणु हथियारों का परीक्षण किये जाने संबंधी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टिप्पणियों का संज्ञान लिया और शुक्रवार को कहा कि इस्लामाबाद की ''गुप्त'' परमाणु गतिविधियां दशकों से तस्करी, निर्यात नियंत्रण से जुड़े उल्लंघनों और गुप्त साझेदारियों पर आधारित रही हैं।

पिछले हफ्ते ट्रंप ने पाकिस्तान का नाम परमाणु हथियारों का परीक्षण कर रहे देशों में शामिल किया था। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह बात तीन दशकों से भी अधिक समय बाद अमेरिका की ओर से अपने परमाणु आयुध का परीक्षण फिर से शुरू किये जाने संबंधी ट्रंप प्रशासन की योजना को सही ठहराने के लिए कही थी।

विदेश मंत्रालय ने ट्रंप की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत ने हमेशा अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान पाकिस्तान के परमाणु प्रसार के साथ-साथ पाकिस्तान के परमाणु बम के जनक ए.क्यू. खान की गतिविधियों की ओर आकर्षित किया है, जिनकी 2021 में मृत्यु हो गई।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, ''गुप्त और अवैध परमाणु गतिविधियां पाकिस्तान के इतिहास के अनुरूप हैं, जो दशकों से चल रही तस्करी, निर्यात नियंत्रण से जुड़े उल्लंघनों और गुप्त साझेदारियों पर आधारित हैं।''

जायसवाल ने कहा, ''भारत ने हमेशा अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान पाकिस्तान के रिकॉर्ड के इन पहलुओं की ओर आकर्षित किया है।'' उन्होंने कहा, ''इस पृष्ठभूमि में, हमने पाकिस्तान के परमाणु परीक्षण के बारे में राष्ट्रपति ट्रंप की टिप्पणी पर गौर किया है।''

12 जून को हुए एअर इंडिया विमान हादसे को लेकर उच्चतम न्यायालय ने कहा

एअर इंडिया विमान दुर्घटना के लिए पायलट को दोषी नहीं ठहराया जा सकता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि 12 जून को हुए एअर इंडिया विमान हादसे के लिए किसी ने भी मुख्य पायलट को दोषी नहीं ठहराया है। इसके साथ ही न्यायालय ने मुख्य पायलट के 91 वर्षीय पिता से कहा कि उनके बेटे को इस दुर्घटना के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता और उन्हें इसका बोझ अपने ऊपर नहीं रखना चाहिए।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा, प्रारंभिक रिपोर्ट में

भी उनके खिलाफ कोई आरोप नहीं है। पीठ ने ज़ोर दिया कि यदि आवश्यक हुआ, तो अदालत स्पष्ट करेगी कि इस दुर्भाग्यपूर्ण विमान हादसे के लिए पायलट को दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

पीठ ने पायलट के पिता पुष्कराज सभरवाल की याचिका पर केंद्र और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को नोटिस जारी किया।

पुष्कराज सभरवाल और भारतीय पायलट संघ ने उच्चतम न्यायालय का रुख किया है और एअर इंडिया विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के मामले की जांच अदालत की निगरानी में शीर्ष न्यायालय के किसी पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में कराने का अनुरोध किया है।

पीठ ने पुष्कराज सभरवाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन से कहा, ''सबसे पहले, यह एक दुर्भाग्यपूर्ण विमान दुर्घटना थी, और दूसरी बात- आपको अपने बेटे को दोषी ठहराए जाने का बोझ नहीं रखना चाहिए। विमान दुर्घटना के लिए पायलट को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। यह एक दुर्घटना थी।।''

भारतीय वायुसेना गुवाहाटी में करेगी एयर शो का आयोजन

गुवाहाटी/भाषा। भारतीय वायु सेना अगले दो दिनों में गुवाहाटी में पूर्वोत्तर क्षेत्र का पहला बड़ा एयर शो आयोजित करने जा रही है। इस दौरान देश के प्रमुख लड़ाकू विमान जैसे राफेल, सुखोई-30, एपाचे और आईएल-78 रिफ्यूलर एयर शो में देखे जा सकेंगे। भारतीय वायु सेना के 93वें स्थापना दिवस के अवसर पर, ईस्टर्न एयर कमांड शनिवार और रविवार को लाचित घाट में एयर शो का आयोजन कर रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार को ईस्टर्न एयर कमांड के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल सुरत सिंह की उपस्थिति में इस एयर शो का अवलोकन करेंगे। इसके साथ ही राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य और मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

कर्तव्यों के प्रति समर्पण ही 'वंदे मातरम' की सच्ची भावना : मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को नागरिकों से व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित होने का आह्वान करते हुए कहा कि ऐसा करना ही 'वंदे मातरम' की सच्ची भावना है।

राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की यह अमर रचना केवल एक गीत नहीं बल्कि भारत की एकता, भावना और कर्तव्य की पवित्र अभिव्यक्ति है। मुख्यमंत्री ने कहा, वंदे मातरम किसी एक आराध्य, संप्रदाय या समुदाय की उपासना का गीत नहीं

है। यह प्रत्येक भारतीय को स्वार्थ से ऊपर उठकर राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित होने की प्रेरणा देता है। उन्होंने राष्ट्रीय कर्तव्य और दैनिक कार्यों के बीच संबंध स्थापित करते हुए कहा कि छात्रों को संस्कार प्रदान करने वाला शिक्षक, मुश्किल हालात में सीमाओं की रक्षा करने वाला सैनिक और राष्ट्र के लिए फसल उगाने वाला किसान, ये सभी वंदे मातरम के सच्चे सार हैं।

आदित्यनाथ ने संविधान दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नागरिकों के कर्तव्यों पर जोर दिये जाने का जिक्र करते हुए कहा, हम अक्सर अपने अधिकारों की बात करते हैं मगर अपने कर्तव्यों को याद रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। ये कर्तव्य हमारी वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों दोनों को सुरक्षित कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय गीत के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें 'भारत को एकता का शाश्वत मंत्र देने वाला दूरदर्शी' कहा। उन्होंने कहा कि 1875 में रचित यह गीत भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का नारा बन गया, जिसने क्रांतिकारियों को प्रेरित किया और औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध राष्ट्र को एकजुट किया। दमन के बावजूद स्वतंत्रता सेनानियों ने साहस और विश्वास के साथ वंदे मातरम गाया।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

ये पब्लिक है

संकेतों का विश्लेषण कर,
समझे हम जन मन की भाषा।
शब्दों की सिर्फ जुगाली से,
ना मिटती भूखों की आशा।
हर बार सफल ना हो सकता,
शकुनि के पाशों का पाशा।
जनसेवक केवल जुमलों से,
जनता को ना दे सकते झाँसा।।

भारत में रिकॉर्ड गति से बढ़ रहा है एआई का उपयोग

■ हमारा मूल विश्वास है कि अगर आप भारत के लिए निर्माण करते हैं तो आप दुनिया के लिए भी निर्माण कर सकते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी कंपनी ओपनएआई में अंतरराष्ट्रीय रणनीति के प्रबंध निदेशक ओलिवर जे ने शुक्रवार को कहा कि भारत में कृत्रिम मेधा (एआई) अपनाने में अभूतपूर्व वृद्धि देखी जा रही है और इसकी गति हर साल तीन गुना बढ़ रही है।

जे ने कहा कि देश में एआई को अपनाने की यह तीव्र गति युवा आबादी द्वारा इसके बढ़ते इस्तेमाल से प्रेरित है। उन्होंने कहा, '' भारत में हम जो गति देख रहे हैं वह अविश्वसनीय है। हम जबरदस्त वृद्धि देख रहे हैं। भारत में हमने जो वृद्धि देखी है वह साल दर साल तीन गुना हो गई है...।''

जे ने 'सीएनबीसी-टीवी18 के ग्लोबल लीडरशिप समिट' 2025 में कहा, '' जब हम भारत के बारे में सोचते हैं, तो हमारा मूल विश्वास है कि अगर आप भारत के लिए निर्माण करते हैं तो आप दुनिया के लिए भी निर्माण कर सकते हैं। भारत वास्तव में अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी को अपनाने में अग्रणी है। जब आप 18 से 24 वर्ष की आयु के बीच की आबादी के बारे में सोचते हैं, तो यह भारत में एक तेजी से बढ़ता हुआ क्षेत्र है।'' उन्होंने उल्लेख किया कि कैसे भारत के डेवलपर और व्यवसाय एआई के उपयोग में सक्रिय रूप से शामिल हैं। इससे चैटजीपीटी में अध्ययन मोड जैसी सुविधाएं भी प्रेरित हुई हैं, जिन्हें भारतीय छात्रों के उपयोग के हिसाब से तैयार किया गया है। जे ने भारत के विभिन्न क्षेत्रों में एआई की परिवर्तनकारी क्षमता और भारतीय उद्यमों एवं नीति निर्माताओं के साथ भविष्य में सहयोग की संभावनाओं को लेकर आशा व्यक्त की।

विरोध प्रदर्शन

कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को बेंगलुरु में सांसद विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी और विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल द्वारा राष्ट्रगान पर दिए गए बयान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

दिल्ली हवाई अड्डे पर हवाई यातायात नियंत्रण में तकनीकी खामी, 300 से अधिक उड़ानें विलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली हवाई अड्डे पर शुक्रवार को हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में तकनीकी खामी के कारण लगभग 300 घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें विलंबित हुईं जिससे सैकड़ों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

हवाई अड्डे पर सभी विमानन कंपनियों की उड़ानों के परिचालन प्रभावित हुए हैं और अधिकारी खामी को ठीक करने के लिए काम कर रहे हैं। विमानन कंपनियों इंडिगो, एअर इंडिया, स्पाइसजेट और अकासा एयर ने शुक्रवार को कहा कि हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में तकनीकी खामी के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर उनकी उड़ानों में देरी हो रही है। राष्ट्रीय राजधानी का इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआईए) प्रतिदिन 1,500 से अधिक उड़ानों का संचालन करता है और देश का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने कहा कि दिल्ली हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन में देरी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि 'ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम' (एएमएसएस) में तकनीकी खामी आ गई है, जो हवाई यातायात नियंत्रण डेटा को सहयोग देता है। सरकारी स्वामित्व वाला एएआई हवाई यातायात नियंत्रण और नेविगेशन सेवाएं प्रदान करता है। उसने कहा कि तकनीकी टीमें जल्द से जल्द प्रणाली को बहाल करने के लिए काम कर रही हैं।

दिल्ली हवाई अड्डे का संचालन दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) करता है।

डायल ने अपराह्न एक बजकर 42 मिनट पर 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''दिल्ली हवाई अड्डे पर सभी एयरलाइन के परिचालन में फिलहाल देरी हो रही है। संबंधित अधिकारी इस समस्या का जल्द से जल्द समाधान निकालने के लिए काम कर रहे हैं।''

सूत्रों के अनुसार, बोर्डिंग गेट के पास लंबी कतारें लगी हुई हैं और सैकड़ों यात्री हवाई अड्डा टर्मिनल के अंदर उड़ान की जानकारी के लिए इंतज़ार कर रहे हैं।

सूत्रों ने बताया कि बृहस्पतिवार शाम से तकनीकी समस्याओं के कारण हवाई यातायात नियंत्रक स्वचालित रूप से उड़ान योजनाएं प्राप्त करने में असमर्थ हैं। उन्होंने बताया कि एएमएसएस में कुछ समस्याएं हैं, जो ऑटो ट्रैक सिस्टम (एएमएस) के लिए सूचना उपलब्ध कराता है, जो उड़ान योजनाएं प्रदान करता है।

सूत्रों ने बताया कि प्रणाली में जारी समस्याओं के कारण हवाई यातायात नियंत्रक उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर मैन्युअल रूप से उड़ान योजनाएं तैयार कर रहे हैं, जिसमें समय लगता है और इसके परिणामस्वरूप कई उड़ानें विलंबित हो रही हैं।

उड़ानों पर नजर रखने वाली एक वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी से पता चला है कि हवाई अड्डे पर लगभग 300 उड़ानें विलंबित हैं और दिल्ली हवाई अड्डे पर प्रस्थान करने वाली उड़ानों में देरी लगभग 50 मिनट की है।

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ को मध्य भारत का प्रौद्योगिकी, नवाचार केंद्र बनाने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विशेषज्ञों और शिक्षाविदों से राज्य को मध्य भारत का ज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार केंद्र बनाने की अपील की है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने भारत के सेमीकंडक्टर मिशन में सक्रिय योगदान देने को भी कहा।

उन्होंने बताया कि साय ने आज डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी अंतरराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) नवा रायपुर के 10वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय 'मेक इन सिलिकॉन' संगोष्ठी की शुरुआत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन भारत को सेमीकंडक्टर निर्माण और तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर करने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है। साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपना रजत जयंती वर्ष मना रहा है और आज राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ का भी ऐतिहासिक अवसर है। उन्होंने इस अवसर पर प्रदेशवासियों और ट्रिपल आईटी परिवार को बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संस्थान महान शिक्षाविद् डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर स्थापित है, जिन्होंने शिक्षा, एकता और औद्योगिक विकास को राष्ट्र की प्रगति से जोड़ा। साय ने कहा, ''भारत आज तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने सेमीकंडक्टर मिशन, इलेक्ट्रॉनिक्स और चिप निर्माण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। यह मिशन न केवल बुनियादी ढांचा विकसित कर रहा है, बल्कि युवाओं को सशक्त बनाने और नवाचार को प्रोत्साहन देने का भी कार्य कर रहा है।'' उन्होंने कहा, ''सेमीकंडक्टर आज आधुनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। मोबाइल, सैटेलाइट, रक्षा प्रणाली और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सभी इससे जुड़े हैं। ऐसे में 'मेक इन सिलिकॉन' जैसी पहल भारत की चिप क्रांति को नई दिशा देने में सहायक सिद्ध होगी। छत्तीसगढ़ इस मिशन में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए तैयार है। राज्य की नई औद्योगिक नीति में सेमीकंडक्टर सेक्टर के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। छत्तीसगढ़ में कुशल मानव संसाधन, सुदृढ़ औद्योगिक ढांचा, निर्बाध बिजली आपूर्ति और तकनीकी विकास के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध है।

सरकार ने उपभोक्ता कानून में सुधारों का प्रस्ताव रखा, मामलों का होगा जल्द निपटारा

नई दिल्ली/भाषा। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने शुक्रवार को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों की रूपरेखा पेश की। इस कदम का मकसद लंबित मामलों को कम करना और कृत्रिम मेधा (एआई) तथा डिजिटल मंच के जरिये विवाद समाधान में तेजी लाना है। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने 2019 के कानून में सुधारों पर चर्चा के लिए नई दिल्ली में एक परामर्श बैठक आयोजित की, जिसमें मामलों के निपटारे के लिए सख्त समयसीमा और एआई तथा मशीन लर्निंग टूल्स सहित प्रौद्योगिकी के व्यापक उपयोग पर जोर दिया गया। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा कि कानून में इस समय नियमित मामलों के लिए तीन महीने और जांच की जरूरत वाले मामलों के लिए पांच महीने की समयसीमा है। उन्होंने बयान में कहा कि कोई भी मामला छह महीने से ज्यादा लंबित नहीं रहना चाहिए।

जीएसटी में बदलाव से निजी क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा मिलेगा: महिंद्रा समूह सीईओ

नई दिल्ली/भाषा। महिंद्रा समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) अनीश शाह ने शुक्रवार को कहा कि जीएसटी दरों में बदलाव से ग्राहकों की धारणा में सुधार हुआ है और खपत बढ़ी है। उन्होंने कहा कि इससे उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए निजी क्षेत्र में निवेश बढ़ेगा।

सीएनबीसी-टीवी18 के 'ग्लोबल लीडरशिप समिट' में शाह ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था पूरी तरह से गति पकड़ रही है और अगले 20 वर्षों में इसमें 8-10 प्रतिशत की वृद्धि की क्षमता है। उन्होंने कहा, ''हाल में जीएसटी में कटौती ने धारणा को बदलने में एक बड़ी भूमिका निभाई है और धारणा में यह बदलाव हम कुछ आंकड़ों में देख रहे हैं। इसके चलते निजी क्षेत्र में अधिक निवेश होगा।'' शाह ने कहा, ''हमें लगता है कि कई उद्योग और कंपनियां 80 प्रतिशत क्षमता उपयोग के स्तर को पार कर रही हैं, और यह अधिक निवेश के लिए प्रेरित करेगा।'' उन्होंने कहा कि महिंद्रा समूह का मानना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बुनियादी बातें सही हैं।

डिजिटल धोखाधड़ी के मामलों में जुलाई से फिर आई तेजी : टी. रबिशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर ने शुक्रवार को कहा कि जुलाई, 2025 से डिजिटल धोखाधड़ी के मामले एक बार फिर बढ़ने लगे हैं। शंकर ने यहां भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एक कार्यक्रम में कहा, लेनदेन की संख्या के अनुपात में देखें तो इस वर्ष की शुरुआत से जुलाई तक धोखाधड़ी के मामलों में उल्लेखनीय गिरावट आई थी। लेकिन जुलाई के बाद से ये मामले फिर बढ़ने लगे हैं। उन्होंने कहा कि वृद्धि मौसमी या चक्रीय हो सकती है और आरबीआई इसके कारणों की जांच कर रहा है।

आरबीआई के वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 में धोखाधड़ी के मामलों की संख्या घटकर 23,953 पर आ गई जबकि इससे पहले के वित्त वर्ष में यह 36,000 से अधिक थी। धोखाधड़ी की अधिकांश घटनाएं डिजिटल भुगतान के क्षेत्र, जैसे कार्ड और इंटरनेट लेनदेन के दौरान हुईं। रिपोर्ट के मुताबिक, निजी क्षेत्र के बैंक संख्या के लिहाज से करीब 60 प्रतिशत धोखाधड़ी मामलों के लिए जिम्मेदार हैं, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का हिस्सा मूल्य के आधार पर 71 प्रतिशत से अधिक है। शंकर ने बताया कि आरबीआई ने 'म्यूल हंटर' नाम की डिजिटल प्रणाली भी तैनात की है, जो धोखाधड़ी से मिली रकम को आगे भेजने वाले खातों का पता लगाने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि एकीकृत भुगतान प्रणाली 'यूपीआई' के विकास के शुरुआती दौर में बैंकों ने इसकी क्षमता को पर्याप्त रूप से नहीं समझा, जबकि वित्तीय-प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कंपनियां अपनी लचीली संरचना के कारण इस क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ीं। केंद्रीय बैंक के डिप्टी गवर्नर ने बैंकरों को संबोधित करते हुए कहा कि पारंपरिक बैंक संरचनात्मक रूप से कमजोर हैं क्योंकि उनके पास बड़ा शाखा नेटवर्क, उच्च अनुपालन लागत और जटिल आईटी ढांचा है। उन्होंने आगाह करते हुए कहा कि ये बैंक केवल क्रमिक डिजिटलीकरण करने से प्रतिस्पर्धी नहीं रह पाएंगे।

महाराष्ट्र में कई पुलिसकर्मियों को गलत आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए नोटिस

बुलढाणा (महाराष्ट्र)/भाषा। महाराष्ट्र के बुलढाणा में सैकड़ों पुलिसकर्मियों को गलत आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने के लिए नोटिस मिले हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बुलढाणा के पुलिस अधीक्षक ने छह नवंबर को पुलिसकर्मियों को भेजे गए एक वायरलेस संदेश में कहा कि 23 अक्टूबर को सहायक आयकर आयुक्त (आईएनवी), नागपुर ने एक पत्र भेजा था। इसमें बताया गया है कि एक आयकर सर्वेक्षण में जिले में कार्यरत विष्णु मुले नामक एक पुलिसकर्मी द्वारा गलत आयकर दाखिल करने का पता चला। अधिकारी ने कहा, ''पत्र में कहा गया कि मुले ने कई पुलिसकर्मियों को उनके आईटीआर दाखिल करने में मदद की थी। इसमें कहा गया कि संबंधित पुलिसकर्मियों ने चार्टर्ड अकाउंटेंट की मिलीभगत से गलत और फर्जी रिटर्न दाखिल किए थे। फर्जी कटौतियां दिखाई गईं। पत्र में उन पुलिसकर्मियों की सूची भी थी, जिन्होंने गलत आयकर रिटर्न दाखिल किया था।''

भाजपा ध्रुवीकरण और पाखंड के लिए 'वंदे मातरम' की वर्षगांठ का दुरुपयोग कर रही है : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र कांग्रेस ने शुक्रवार को भाजपा पर राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की 150 वीं वर्षगांठ के अवसर का ''राजनीतिक ध्रुवीकरण'' और ''पाखंडी राष्ट्रवाद'' के लिए ''दुरुपयोग'' करने का आरोप लगाया।

बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित 'वंदे मातरम' पहली बार सात नवंबर, 1875 को साहित्यिक पत्रिका 'बंगदर्शन' में प्रकाशित हुआ था। बाद में, उन्होंने इस भजन को अपने उपन्यास 'आनंदमठ' में शामिल किया, जो 1882 में प्रकाशित हुआ था। 24 जनवरी 1950 को, भारत की संविधान सभा ने इसे राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया। कांग्रेस ने भाजपा के उन कथित आरोपों का खंडन किया है जिनमें यह कहा गया था कि उसके किसी विधायक ने 'वंदे मातरम' गाने का विरोध किया था। कांग्रेस ने पार्टी विधायकों असलम शेख और अमीन पटेल के खिलाफ भाजपा के ''अभियान'' को 'झूठा, शर्मनाक और निंदनीय' करार दिया। कांग्रेस प्रवक्ता सचिन सावंत ने कहा कि शेख और पटेल, दोनों ने स्पष्ट रूप से कहा है कि उन्हें इस गीत पर कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा, 'अगर भाजपा नेता वंदे मातरम गाना चाहते हैं, तो वे हमारे कार्यालयों में आकर गा सकते हैं, बाहर तमाशा करने के लिए नहीं।' भाजपा पर जानबूझकर मुस्लिम विधायकों को निशाना बनाकर धार्मिक विभाजन भड़काने का आरोप लगाते हुए, कांग्रेस ने कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा राष्ट्रीय गौरव से जुड़े मुद्दे को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश कर रही है। यह उसकी विभाजनकारी राजनीति को उजागर करता है।''

महाराष्ट्र के पास एक्सप्रेसवे के लिए 86000 करोड़ रुपये है लेकिन किसानों के लिये नहीं : ठाकरे

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को कहा कि महाराष्ट्र सरकार के पास शक्तिपीठ एक्सप्रेसवे के निर्माण के लिए ठेकेदारों के वास्ते 86,000 करोड़ रुपये हैं, लेकिन संकटग्रस्त किसानों के लिए उसके पास पैसे नहीं है। प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके ठाकरे पांच नवंबर से मराठवाड़ा के जिलों का दौरा कर रहे हैं और सितंबर के अंतिम सप्ताह में भारी बारिश से प्रभावित हुए किसानों से मिल रहे हैं। इस बारिश के कारण हजारों हेक्टेयर भूमि पर फसलें नष्ट हो गई थीं। दिन के दौरान, वह नांदेड़ के पारडी गांव, हिंगोली के डोंगरकाडा और जावला बाजार के साथ-साथ परभणी के पिंगली गये तथा किसानों से बातचीत की, ताकि पता लगाया जा सके कि क्या देवेंद्र फडणवीस सरकार द्वारा घोषित राहत उपाय एवं वित्तीय सहायता उन तक पहुंची है या नहीं।

30000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए वित्तीय क्षेत्र में और सुधारों की जरूरत : विश्व बैंक

नई दिल्ली/भाषा। भारत को 2047 तक 30,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए वित्तीय क्षेत्र में सुधारों को और तेजी देने तथा निजी पूंजी जुटाने को बढ़ावा देने की जरूरत है। विश्व बैंक की वित्तीय क्षेत्र आकलन (एफएसए) रिपोर्ट में यह बात कही गई। इसमें स्वीकार किया गया कि भारत के 'विश्व स्तरीय' डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और सरकारी कार्यक्रमों ने पुरुषों और महिलाओं के लिए वित्तीय सेवाओं तक पहुंच में उल्लेखनीय सुधार किया है। रिपोर्ट में खाता उपयोग को और बढ़ावा देने, और व्यक्तियों तथा एमएसएमई के लिए वित्तीय उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुंच को आसान बनाने के सुझाव भी दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक (डब्ल्यूबी) का एक संयुक्त कार्यक्रम एफएसएपी है, जो किसी देश के वित्तीय क्षेत्र का व्यापक और गहन विश्लेषण करता है।

घोर तपस्वी व दृढ़ संकल्पी थे आचार्यश्री जयमल : साध्वी इन्दुप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आचार्य जयमल दीक्षा जयंती प्रसंग पर साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि दान देने के लिए भी पुण्य चाहिए। बिना पुण्य के दान देने की इच्छा भी नहीं होती है। दान श्रेष्ठ है। छह काय जीवों को दान अनुकरणीय है और दीक्षा का दान सर्वश्रेष्ठ है। आचार्य जयमल जी ने अपनी संयम यात्रा में 700 जनों को संयम रत्न का दान दिया। श्रावक जयमल ने आचार्य भूधर जी का मात्र एक प्रवचन ब्रह्मचर्य विषय पर सुना और अब्रह्म से होने वाली हिंसा को सुनकर भर यौवन में काम भोग की भावना से स्वयं को मुक्त कर वैरागी हो गए और मुनि बन गए। जीवन में 40 मासखमण किए। बीकानेर धरा को धर्म के नाम पर हो रहे पाखंड से मुक्त किया और अपनी आत्मा को मोक्ष के योग्य बना लिया।

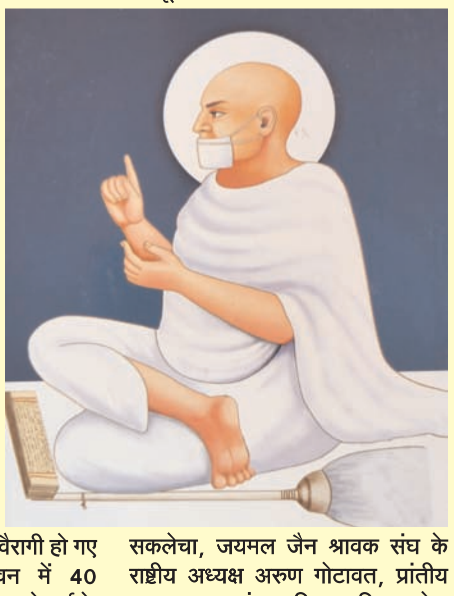

साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि इतिहास पढ़ना, लिखना सरल है किंतु स्वयं का स्वर्णिम इतिहास बनाने के लिए साधना करनी होती है। दूसरों को धक्का देना सरल है, स्वयं को साधना के क्षेत्र में धक्का देने वाले आचार्य जयमलजी थे। वे वचनों के उत्कृष्ट धनी थे। लांबिया में मोहनदास महिमा देवी के यहां जन्मे जयमल जी ने मात्र 3 घंटों में आवश्यक सूत्र कंठस्थ किया। अनेक क्षेत्रों में विचरण करते हुए जैन साहित्य को भी समृद्ध किया। उनकी दीक्षा भूमि मेड़ता थी और 31 दिन के संथारे के साथ नागौर में देवलोक गमन हुआ। प्रवचन सभा में बेंगलूरु महासंघ के अध्यक्ष भीकमचंद सकलेचा, जयमल जैन श्रावक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण गोटावत, प्रांतीय अध्यक्ष उत्तमचंद गादिया सहित अनेक पदाधिकारियों ने ब्रह्मचर्य व्रत स्वीकार करने के लिए महेंद्र कुमार लाड़कंवर बाई भंसाली का सम्मान किया। साध्वी रिद्धिप्रभा जी,नवकार बहु मंडल एवं जयमल महिला मंडल ने गीतिका प्रस्तुत की। अलसूर संघ की ओर से मंत्री अभय कुमार बांठिया ने आचार्य जयमल जी का गुणानुवाद करते हुए उन्हें युग क्रांति महापुरुष कहा। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

सरकार नियमों के बजाय एआई नवाचार को प्राथमिकता देती है: आईटी सचिव कृष्णन

नई दिल्ली/भाषा। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन ने कहा कि केंद्र सरकार कृत्रिम मेधा (एआई) क्षेत्र में तत्काल नियमन लागू करने के बजाय नवाचार को बढ़ावा देने को प्राथमिकता देगी। विनियमन संबंधी चिंताओं पर कृष्णन ने कहा कि प्राथमिक उद्देश्य एआई नवाचार के लिए अनुकूल परिवेश तैयार करना है जिसमें क्षेत्र के विकास के साथ विनियमन भी शामिल हो।

कृष्णन ने 'सीएनबीसी-टीवी18 के ग्लोबल लीडरशिप समिट' 2025 में कहा, ''आज मूलतः नवाचार पर जोर दिया जा रहा है। जोर इस बात पर है कि एआई के क्षेत्र में नवाचार को पर्याप्त अवसर मिले ताकि हम इस प्रौद्योगिकी के लाभों का भरपूर लाभ उठा सकें। साथ ही, इससे होने वाले संभावित नुकसानों से भी बच सकें। हमारा एआई और भारत एवं विश्व पर इसके प्रभाव के बारे में सकारात्मक दृष्टिकोण है। इसलिए हमें इस क्षेत्र में नवाचार को यथासंभव अधिक स्थान देने की आवश्यकता है। भारतीय अर्थव्यवस्था एवं भारत के लोगों द्वारा प्रौद्योगिकी के रूप में एआई के वास्तविक लाभों को हासिल करने की जरूरत है।'' सभी प्रौद्योगिकियों की तरह इसमें भी कुछ ऐसे तत्व होंगे जो समस्या उत्पन्न करेंगे और जहां भी समस्याएं उत्पन्न होंगी, सरकार मौजूदा कानूनी ढांचे का उपयोग करेगी एवं आवश्यकता के आधार पर मौजूदा नियमों में बदलाव करेगी या कानून बनाएगी।

पुणे के आईटी पेशेवर से 14 करोड़ रुपये की ठगी, एक कथित साध्वी समेत तीन लोग हिरासत में लिये गये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के पुणे में अपनी 'आध्यात्मिक शक्तियों' के बूते दो लड़कियों की स्वास्थ्य समस्याएं दूर करने का झांसा देकर उनके आईटी पेशेवर पिता से कथित रूप से 14 करोड़ रुपये ठग लेने के आरोप में एक कथित साध्वी एवं दो अन्य को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर दीपक डोलास ने कुछ दिन पहले पुणे पुलिस से शिकायत की थी कि एक कथित साध्वी ने यह दावा करते हुए उनके साथ धोखाधड़ी की है कि उसके पास आध्यात्मिक उपचार शक्तियां हैं।

पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने कहा, ''कोथरूड थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया था और बाद में इसे आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को स्थानांतरित कर दिया गया। नासिक से तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। उनकी गिरफ्तारी की प्रक्रिया चल रही है।''

पुलिस ने पुष्टि की कि हिरासत में लिए गए लोगों में कथित साध्वी भी शामिल है, लेकिन उसने और कोई जानकारी नहीं दी।

शिकायतकर्ता ने दावा किया कि कथित साध्वी ने उनके परिवार को आश्वासन दिया था कि वह 'दैवीय हस्तक्षेप' से उनकी बेटियों को ठीक कर सकती है।

आयुष मंत्री ने कैंसर जागरूकता के लिए सक्रिय जन-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आयुष मंत्रालय ने राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस पर जन जागरूकता और शीघ्र पहचान के प्रयासों को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। कैंसर विश्व में मौत का दूसरा प्रमुख कारण बना हुआ है।

मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि विश्व के कई देशों में मुख, गर्भाशय ग्रीवा और स्तन कैंसर के मामले काफी संख्या में दर्ज किए गए हैं। भारत इस चुनौती का अधिक प्रभावी ढंग से समाधान करने के लिए शिक्षा, जांच और समुचित स्वास्थ्य प्रक्रियाओं पर अधिक जोर दे रहा है।

बयान के अनुसार कैंसर के मामलों का एक बड़ा हिस्सा तंबाकू सेवन, अस्वास्थ्यकर आहार, मोटापा, शारीरिक निष्क्रियता, शराब का सेवन, पर्यावरण प्रदूषण और एचपीवी संक्रमण जैसे रोकथाम योग्य कारकों से जुड़ा है, जो अधिक जागरूकता और समय पर कार्रवाई की आवश्यकता को रेखांकित करता है। मंत्रालय ने कहा कि प्रारंभिक अवस्था में पता लगने से जीवित रहने की संभावना काफी बढ़ जाती है, विशेष रूप से स्तन, गर्भाशय ग्रीवा और मुख कैंसर के मामले में, जिनकी पहचान नियमित जांच के माध्यम से अधिक उपचार योग्य अवस्था में की जा सकती है।

बयान में कहा गया है कि क्योंकि कई कैंसरों की रोकथाम संभव है और कई का शीघ्र निदान होने पर उपचार भी संभव है, इसलिए स्वस्थ जीवनशैली का निरंतर चुनाव महत्वपूर्ण बना हुआ है।

मंत्रालय ने कहा कि तंबाकू से परहेज, पौधों पर आधारित आहार खाना, स्वस्थ वजन बनाए रखना, सक्रिय रहना और धुएं और प्रदूषकों के संपर्क में कम आना सामूहिक रूप से जोखिम को कम करने और दीर्घकालिक कल्याण में सहायक होता है।

केंद्रीय आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए कैंसर जागरूकता और रोकथाम हेतु एक सक्रिय और जन-केंद्रित दृष्टिकोण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक कैंसर विज्ञान को आयुष प्रणालियों के साथ जोड़ने वाले एकीकृत मॉडल जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार ला सकते हैं, विशेषकर समाज के कमजोर वर्गों के लिए।

ईडी ने रिलायंस पावर के 'फर्जी' बैंक गारंटी मामले में तीसरी गिरफ्तारी की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने उद्योगपति अनिल अंबानी समूह की कंपनी 'रिलायंस पावर' के खिलाफ 68 करोड़ रुपये की कथित फर्जी बैंक गारंटी जारी करने से जुड़ी धन शोधन जांच के सिलसिले में तीसरी गिरफ्तारी की है।

उसने एक बयान में बताया कि कोलकाता निवासी अमर नाथ दत्ता नामक व्यक्ति को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत बृहस्पतिवार को हिरासत में लिया गया। एक विशेष अदालत ने उसे 10 नवंबर तक के लिए के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया है।

संघीय जांच एजेंसी ने इस जांच के तहत रिलायंस पावर के पूर्व सीएफओ अशोक कुमार पाल और ओडिशा स्थित बिस्वाल ट्रेडलिंक नामक कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) पार्थ सारथी बिस्वाल को गिरफ्तार किया है।

ईडी ने कहा, ''वह (दत्ता) व्यापार वित्तपोषण में परामर्श सेवाएं प्रदान करने का दावा करता है। फर्जी बैंक गारंटी प्रदान करने में दत्ता ने अशोक पाल और पार्थ सारथी बिस्वाल के साथ सक्रिय भूमिका निभाई।''

कार्यवाहक डीजीपी की नियुक्ति के लिए अवमानना कार्रवाई की याचिका पर तमिलनाडु सरकार से जवाब तलब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु सरकार से शुक्रवार को उस याचिका पर जवाब मांगा जिसमें उसके पिछले आदेशों का पालन नहीं करने और राज्य में कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की नियुक्ति के लिए अवमानना कार्रवाई का अनुरोध किया गया है। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने किशोर कृष्णस्वामी द्वारा दायर अवमानना याचिका पर तमिलनाडु सरकार को नोटिस जारी कर तीन सप्ताह में जवाब मांगा है।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि अदालत ने आठ सितंबर को एक अन्य मामले में एक आदेश पारित किया था, जिसमें राज्य को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर तुरंत एक नियमित डीजीपी नियुक्त करने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने उस समय सूचित किया था कि 29 अगस्त को यूपीएससी को नामों का एक पैनल सौंपा गया था।

भूषण ने कहा, ''आदेश आठ सितंबर को दिया गया था और आज सात नवंबर है, इसके बावजूद राज्य कार्यवाहक डीजीपी के साथ काम कर रहा है। आज तक नियमित डीजीपी की नियुक्ति नहीं हुई है।'' कृष्णास्वामी द्वारा दायर याचिका में कहा गया है, ''प्रतिवादी/अवमाननाकर्ता ने प्रभारी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की नियुक्ति करके और संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अनुशंसित तीन आईपीएस अधिकारियों के अंतिम पैनल में से उम्मीदवार की नियुक्ति पर रोक लगाकर जानबूझकर अवमानना का कार्य किया है।'' इसमें कहा गया है कि प्रकाश सिंह मामले में 22 सितंबर, 2006 और तीन जुलाई, 2018 को पारित अदालत के आदेशों के अनुसार, कार्यवाहक डीजीपी की अवधारणा कानून के लिए विदेशी और अज्ञात है।

अवमानना याचिका में कहा गया है, ''स्पष्ट और सकारात्मक निर्देशों के बावजूद, प्रतिवादी/अवमाननाकर्ता ने 31 अगस्त, 2025 को आईपीएस अधिकारी जी. वेंकटरमन को तमिलनाडु के डीजीपी के पद पर तदर्थ नियुक्ति के तहत नियुक्त किया, जो प्रकाश सिंह मामले में इस अदालत द्वारा पारित कई निर्देशों का सीधा उल्लंघन है।'' याचिकाकर्ता ने कहा है कि पिछले डीजीपी का पद 31 अगस्त को रिक्त हो गया था और राज्य सरकार को इसकी जानकारी होने के कारण, रिक्ति का पूर्वानुमान लगाना चाहिए था और इस पद पर उपयुक्त उम्मीदवार की नियुक्ति के लिए पहले से ही उचित और आवश्यक कदम उठाने चाहिए थे।

चेन्नई डिवीजन ने वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने का स्मरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे का चेन्नई डिवीजन आज बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित प्रतिष्ठित गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव में शामिल हुआ। चेन्नई स्थित मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में मंडल रेल प्रबंधक शैलेन्द्र सिंह ने शाखा अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ वंदे मातरम का भावपूर्ण गायन प्रस्तुत किया, जिससे उस देशभक्ति की भावना का संचार हुआ जो यह गीत डेढ़ शताब्दी बाद भी आज भी जागृत करता है।

इस अवसर पर बोलते हुए, मंडल रेल प्रबंधक ने इस गीत में मातृभूमि के प्रति समर्पण के स्थायी संदेश और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान पीढ़ियों को प्रेरित करने में इसके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी रेल कर्मियों से इस गीत में निहित देशभक्ति और जनसेवा की भावना को बनाए रखने का आग्रह किया।

डॉ. एमजीआर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर, चेन्नई के स्टेशन निदेशक जे. मंजूनाथन ने इस कार्यक्रम का नेतृत्व किया। स्टेशन मास्टर, टिकट जाँच कर्मचारी, लोको पायलट, ट्रैक मेंटेनर, सफाई कर्मचारी और यात्रियों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन किया और राष्ट्रीय गौरव और सेवा के आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। यह कार्यक्रम चेन्नई मंडल के सभी वर्कशॉप, ईएमयू कार शेड और लोको शेड में भी मनाया गया। चेन्नई मंडल में आयोजित इस सामूहिक गायन में लगभग 19,000 अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

दक्षिण रेलवे मुख्यालय में 'वंदे मातरम' का सामूहिक गायन आयोजित

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 7 नवंबर को नई दिल्ली में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के वर्ष भर चलने वाले राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव का उद्घाटन किया, जो बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित इस कालातीत रचना के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है, जिसने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को प्रेरित किया और राष्ट्रीय गौरव और एकता को जागृत करता रहा है। शुक्रवार को दक्षिण रेलवे मुख्यालय के 800 से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने नई दिल्ली में आयोजित प्रधानमंत्री के मुख्य कार्यक्रम के साथ सामूहिक 'वंदे मातरम' गायन में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का नेतृत्व अपर महाप्रबंधक विपिन कुमार ने किया, उनके साथ प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी के. हरिकृष्णन भी मौजूद थे। दक्षिण रेलवे के सभी छह मंडलों, अर्थात् चेन्नई, सेलम, तिरुचिरापल्ली, मदुरै, तिरुवनंतपुरम और पलक्कड़, और पेरम्बूर कैरिज एवं वैगन वर्कशॉप, पेरम्बूर लोको वर्कशॉप और गोल्डन रॉक वर्कशॉप, इलेक्ट्रिकल कार शेड, रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों और अन्य क्षेत्रीय इकाइयों द्वारा इसी प्रकार के 'वंदे मातरम के सामूहिक गायन' कार्यक्रम आयोजित किए गए।

अन्नाद्रमुक ने पूर्व राज्य मंत्री के ए सेंगोट्टैयन के 14 समर्थकों को पार्टी से निकाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) ने शुक्रवार को कहा कि निष्कासित नेता के ए सेंगोट्टैयन के 14 समर्थकों को पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते 'अन्नाद्रमुक' से निकाल दिया गया है। इन सर्मथकों में एक पूर्व सांसद भी शामिल हैं। पार्टी महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी ने उन 14 सदस्यों को निकालने का आदेश दिया है जो अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले विभिन्न गुटों को फिर से एकजुट करने के लिए पार्टी नेतृत्व पर दबाव बनाने के सेंगोट्टैयन के प्रयासों में उनका समर्थन कर रहे थे। यह हालिया कदम पूर्व राज्य मंत्री सेंगोट्टैयन के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के बाद उठाया गया है क्योंकि उन्होंने हाल ही में रामनाथपुरम जिले में अपदस्थ नेताओं से मुलाकात कर बातचीत की थी। इन नेताओं में वी के शशिकला और उनके भतीजे टी टी वी दिनाकरन शामिल थे। पूर्व सांसद वी सत्यबामा उन 14 लोगों में शामिल हैं जिन्हें पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से हटा दिया गया है। पार्टी की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, ''इरोड उपनगरीय पश्चिमी जिले के सदस्यों को अन्नाद्रमुक से निष्कासित कर दिया गया है क्योंकि नियमों के खिलाफ जाने और अन्नाद्रमुक की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने के साथ उन्होंने पार्टी की नीतियों, उद्देश्यों और सिद्धांतों के विपरीत काम किया था।''

मुख्यमंत्री स्टालिन ने कमल हासन को उनके 71वें जन्मदिन पर बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने अभिनेता से राजनेता बने कमल हासन को जन्मदिन की बधाई दी। हासन शुक्रवार को 71 वर्ष के हो गए। कई हस्तियों ने भी राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता हासन को शुभकामनाएं दीं।

स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच पर एक पोस्ट में कहा, बहुमुखी प्रतिभा के धनी, तमिल सिनेमा को विश्व स्तरीय मानकों तक ले जाने वाले, एक अथक कलात्मक मिशन को आगे बढ़ाने वाले और हमारे राष्ट्र को फासीवादी चेहरों से बचाने के लिए एक अदम्य देशभक्ति रखने वाले मक्कल नीधि मय्यम के नेता मेरे प्रिय कलाकार कमल हासन को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।

हासन राज्यसभा सदस्य होने के साथ साथ राजनीतिक पार्टी 'मक्कल नीधि मय्यम' के संस्थापक-प्रमुख हैं। उनकी पार्टी सत्तारूढ़ द्रमुक की सहयोगी है। हासन ने शुभकामनाओं के लिए द्रमुक अध्यक्ष को धन्यवाद दिया। कमल हासन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, प्रिय मित्र, सुशासन के प्रतीक और मित्रता की पहचान के रूप में चमकने वाले मुख्यमंत्री (एमके स्टालिन), मेरा जन्मदिन आपकी शुभकामनाओं के साथ शुरू होता है। इस असीम प्रेम के लिए धन्यवाद। इस बीच लोकप्रिय अभिनेत्री और भाजपा की तमिलनाडु इकाई की उपाध्यक्ष खुशबू सुंदर ने भी अपने जन्मदिन संदेश में कहा, मेरे पसंदीदा कमल हासन को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

अभिनेत्री गौरी किशन ने अपमानजनक सवाल पूछने को लेकर यूट्यूबर को फटकार लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अभिनेत्री गौरी जी. किशन ने छह नवंबर को तमिल फिल्म अदर्स के लिए आयोजित संवाददाता सम्मेलन के दौरान अपने वजन के बारे में अपमानजनक सवाल पूछे जाने को लेकर एक यूट्यूबर को फटकार लगाई। चेन्नई प्रेस क्लब ने यूट्यूबर के व्यवहार की निंदा की है।

किशन, तमिल और मलयालम फिल्मों में अपने अभिनय को लेकर जानी जाती हैं। वायरल हुए वीडियो में गौरी को उस व्यक्ति से यह कहते हुए सुना जा सकता है, मेरे वजन से आपका क्या लेना-देना? इसका फिल्म से क्या संबंध है? मेरा वजन मेरी पसंद है और इसका मेरी प्रतिभा से कोई लेना-देना नहीं है...यह 'बॉडी-शेमिंग' के अलावा कुछ नहीं है। यह शारीरिक वजन पर एक बेवकूफी भरा सवाल है।

शुक्रवार को रिलीज हुई फिल्म में उनके सह-कलाकार आदित्य माधवन, जो इस कार्यक्रम में मौजूद थे, ने बाद में कहा कि उनकी चुप्पी का मतलब किसी के शरीर को शर्मसार करने की मंजूरी नहीं है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' में एक पोस्ट में कहा, मैं स्तब्ध रह गया। यह मेरी पहली फिल्म है। काश, मैंने पहले ही कदम उठा लिया होता। ऐसा नहीं होना चाहिए था। हर कोई सम्मान का हकदार है। मैं एक बार फिर माफी मांगता हूं। यूट्यूबर की निंदा करते हुए, साउथ इंडियन आर्टिस्ट्स एसोसिएशन ने कहा कि यह चिंताजनक है कि पत्रकारिता की आड़ में कुछ कुटिल लोग संवाददाता सम्मेलन में अभिनेत्रियों का मजाक उड़ा रहे हैं और उन्हें अपमानित कर रहे हैं।

यूट्यूबर ने जब अभिनेत्री से बहस की, तो गौरी ने जवाब दिया, हर महिला का शरीर अलग होता है। मैं अपनी प्रतिभा के बल पर ही आगे बढ़ूंगी। गौरी ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि क्या वह किसी पुरुष अभिनेता से ऐसा प्रश्न पूछेंगे, उन्होंने कहा, आप एक महिला अभिनेत्री को वस्तु की तरह देख रहे हैं। यह पत्रकारिता नहीं है। आप अपने पेशे के लिए कलंक हैं। उन्होंने इस बात पर भी चिंता व्यक्त की कि संवाददाता सम्मेलन में उपस्थित लोगों में से किसी ने भी उनका (अभिनेत्री का) समर्थन नहीं किया।

वीडियो वायरल होने पर अभिनेत्री खुशबू सुंदर ने गौरी का समर्थन करते हुए 'एक्स' पर कहा, पत्रकारिता अपनी प्रासंगिकता खो चुकी है। तथाकथित पत्रकार पत्रकारिता को गर्त में ले जा रहे हैं। किसी महिला का वजन कितना है, इससे उनका कोई लेना-देना नहीं है। और अभिनेत्री से इस बारे में पूछना? कितनी शर्म की बात है। इस बीच, मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन ने अभिनेत्री गौरी किशन का समर्थन करते हुए अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के ज़रिए गौरी के प्रति एकजुटता दिखाई। एसोसिएशन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, ''हमारा दृढ़ विश्वास है कि 'बॉडी शेमिंग' करना गलत है चाहे कोई भी करे, कभी भी करे या कहीं भी करे।''

तमिलनाडु के मंदिर ने सोने से बनी छिपकली गायब होने से किया इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई से सटे कांचीपुरम स्थित प्राचीन श्री वरदराज पेरुमल मंदिर के प्रबंधन ने शुक्रवार को इस बात से इनकार किया कि मंदिर के अंदर छत पर उकेरी गई सोने और चांदी से बनीं छिपकलियां गायब हो गई हैं। चेन्नई से लगभग 79 किलोमीटर दूर स्थित यह प्रसिद्ध वैष्णव मंदिर हजारों श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है और मंदिर की यात्रा सोने और चांदी की छिपकलियों को छुए बिना अधूरी मानी जाती हैं।

मंदिर के एक कार्यकर्ता ने यह आरोप लगाया था कि मंदिर के जीर्णोद्धार के दौरान सोने और चांदी से बनी छिपकलियों को हटा दिया गया था और उनकी जगह कथित तौर पर नयी छिपकलियां उकेरी गई थीं। हालांकि मंदिर प्रबंधन ने कहा कि छिपकलियां अपने-अपने स्थान पर हैं। मंदिर के कार्यकारी अधिकारी ने कहा, ''छत पर उकेरी गईं छिपकलियों को न तो हटाया गया है और न ही बदला गया है। एक कार्यकर्ता ने झूठा एवं बेबुनियाद आरोप लगाया है और मंदिर प्रशासन उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगा।''

मंदिर के एक सूत्र के अनुसार ये दो छिपकलियां ऋषि गौतम के दो शिष्यों की प्रतीक हैं, जिन्हें अपने दोषों के कारण छिपकली बनने का श्राप मिला था। भगवान विष्णु ने उन्हें श्राप से मुक्ति दिलाई थी। सूत्र ने बताया, मंदिर में आने वाले श्रद्धालु छिपकलियों को छूकर भगवान से सौभाग्य और दोषमुक्त जीवन के लिए आशीर्वाद मांगते हैं। इसी मंदिर में अंजीर की लकड़ी से बनी भगवान विष्णु की दस फुट लंबी मूर्ति अथि वरधर' मंदिर के कुंड (अनंत सारस) के अंदर स्थापित है। श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए इन मूर्तियों को 40 वर्षों में एक बार जल से बाहर निकाला जाता है। आखिरी बार इस मूर्ति को 2019 में जल से बाहर निकाला गया था।

प्रधानमंत्री मोदी आज एर्नाकुलम-बेंगलूरु वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/कोच्चि। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को एर्नाकुलम जंक्शन-केएसआर बेंगलूरु वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे। रेलवे अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री सुबह सात बजे आयोजित एक समारोह के दौरान ट्रेन (06652) का वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उद्घाटन करेंगे।

भाजपा ने घोषणा की कि केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी और जॉर्ज कुरियन तथा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर एर्नाकुलम जंक्शन रेलवे स्टेशन पर आयोजित समारोह में शामिल होंगे। दक्षिणी रेलवे द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, नयी शुरू की गई एर्नाकुलम-केएसआर बेंगलूरु वंदे भारत एक्सप्रेस केरल के लिए तीसरी वंदे भारत सेवा होगी। यह राज्य को तमिलनाडु और कर्नाटक से जोड़ेगी। बयान में कहा गया है कि इसके साथ ही दक्षिणी रेलवे के अधिकार क्षेत्र में कुल 12 जोड़ी वंदे भारत ट्रेनें संचालित होंगी।

दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार केएसआर बेंगलूरु-एर्नाकुलम वंदे भारत एक्सप्रेस केरल की वाणिज्यिक राजधानी एर्नाकुलम और बेंगलूरु महानगर के बीच निर्बाध संपर्क प्रदान करेगी।

यह ट्रेन कृष्णराजपुरम और केएसआर बेंगलूरु पहुंचने से पहले त्रिशूर, पलक्कड़, कोयंबटूर, तिरुप्पुर, इरोड और सेलम सहित केरल और तमिलनाडु के प्रमुख शहरों से होकर गुज़रती है। अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन 06652 एर्नाकुलम जंक्शन-केएसआर बेंगलूरु वंदे भारत एक्सप्रेस आठ कोचों के साथ विशेष सेवा रूप में संचालित होगी।

चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस का शुद्ध लाभ दूसरी तिमाही में 20 प्रतिशत बढ़कर 1,155 करोड़ रुपये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वित्तीय सेवा कंपनी चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (सीआईएफसीएल) का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 20 प्रतिशत बढ़कर 1,155 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही में उसे 963 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही में उसकी कुल आय 21 प्रतिशत बढ़कर 7,590 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 6293 करोड़ रुपए थी। कंपनी की प्रबंधन अधीन परिसंपत्ति बढ़कर 2,14,906 करोड़ रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,77,426 करोड़ रुपये थी।

तमिलनाडु में एसआईआर कराने के फैसले के खिलाफ द्रमुक की याचिका पर 11 नवंबर को होगी सुनवाई

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय तमिलनाडु में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कराने के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली द्रमुक की याचिका पर 11 नवंबर को सुनवाई के लिए सहमत हो गया। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की ओर से पेश हुए वकील विवेक सिंह ने प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ से याचिका पर तत्काल सुनवाई का आग्रह किया। प्रधान न्यायाधीश ने इस पर कहा, इसे मंगलवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करें। द्रमुक के संगठन सचिव आर. एस. भारती ने तीन नवंबर को एसआईआर के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया और इस प्रक्रिया को असंवैधानिक, मनमाना और लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए ''खतरा'' बताया। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सांसद एन. आर. एलांगो द्वारा तैयार यह याचिका वकील विवेक सिंह ने दायर की थी और इसमें राज्य में एसआईआर लागू करने के लिए निर्वाचन आयोग की 27 अक्टूबर की अधिसूचना को रद्द करने का अनुरोध किया गया था। याचिका में विशेष निरीक्षण रिपोर्ट (एसआईआर) को अनुच्छेद 14, 19 और 21 (समानता का अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और जीवन का अधिकार) और संविधान के अन्य प्रावधानों, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम और 1960 के निर्वाचक पंजीकरण नियमों का उल्लंघन बताया गया है।

केरल के मुख्यमंत्री ने कमल हासन को उनके जन्मदिन पर बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने शुक्रवार को दक्षिण भारतीय फिल्म स्टार कमल हासन को उनके 71वें जन्मदिन पर बधाई दी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच से अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर एक पोस्ट के माध्यम से अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। विजयन ने लिखा, 'मेरे प्यारे दोस्त और भारतीय सिनेमा के महान दिग्गजों में से एक कमल हासन को जन्मदिन की शुभकामनाएं।'' उन्होंने कहा कि हासन की कलात्मक यात्रा वास्तव में एक बहुआयामी प्रतिभा को दर्शाती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अपने अद्भुत अभिनय कौशल के अलावा अभिनेता ने फिल्म निर्माण के हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केरल और मलयालियों के प्रति अभिनेता के स्नेह के बारे में सभी को पता है। विजयन के अनुसार, कमल हासन धर्मनिरपेक्ष आदर्शों के समर्थक हैं और प्रगतिशील तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए लगातार आवाज उठाते रहे हैं तथा सभी को प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा, उनकी रचनात्मक यात्रा इसी चमक के साथ बनी रहे इसके लिए हार्दिक शुभकामनाएं। वह अपने विविध और गतिशील कलात्मक प्रयासों से हमें मंत्रमुग्ध करते रहें।

ईडी ने धनशोधन मामले में जांच के तहत नेमोम सर्विस कोऑपरेटिव बैंक पर छापा मारा

तिरुवनंतपुरम/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन संबंधी जांच के तहत शुक्रवार को यहां नेमोम सर्विस कोऑपरेटिव बैंक के कार्यालयों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि ईडी की कोच्चि इकाई की एक टीम ने सुबह बैंक की विभिन्न शाखाओं में तलाशी अभियान शुरू किया। सूत्रों ने बताया कि तिरुवनंतपुरम में विभिन्न स्थानों पर बैंक के बोर्ड सदस्यों और सचिवों के आवासों पर भी एक साथ छापे मारे जा रहे हैं। ईडी अधिकारियों के अनुसार, केरल सहकारिता विभाग द्वारा की गई जांच के बाद धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच शुरू की गई थी। केरल सहकारिता विभाग द्वारा की गई जांच में बैंक में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं का पता चला था। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) द्वारा नियंत्रित यह बैंक वर्तमान में सामने आईं अनियमितताओं के बाद प्रशासनिक नियंत्रण में है। सहकारिता विभाग की प्रारंभिक जांच में लगभग 100 करोड़ रुपये के ऋण हेरफेर का संकेत मिला है। अधिकारियों के अनुसार, जांच में पाया गया कि ऐसे व्यक्तियों को ऋण स्वीकृत किए गए जो बैंक के सदस्य नहीं थे और जिनके पास पर्याप्त गारंटी भी नहीं थी। केरल अपराध शाखा ने पहले ही मामला दर्ज कर लिया है और अनियमितताओं के सिलसिले में पूर्व बैंक सचिवों को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने बताया कि अपराध शाखा के मामले में पूर्व सचिव और बोर्ड सदस्य आरोपी हैं।

राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' हमारी सामूहिक चेतना का प्रतीक : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' हमारी सामूहिक चेतना का प्रतीक है जिसने करोड़ों भारतीयों के हृदय में राष्ट्रप्रेम की ज्वाला प्रज्वलित की। शर्मा ने यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम में 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, हम सभी राष्ट्रीय चेतना के महान गीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने के साक्षी बन रहे हैं तथा अमर काव्य की वंदना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम ने स्वतंत्रता संग्राम को स्वर दिया जिसने करोड़ों भारतीयों के हृदय में राष्ट्रप्रेम की ज्वाला प्रज्वलित की।

उन्होंने कहा कि यह केवल एक गीत नहीं है बल्कि हमारी सामूहिक चेतना, हमारी आत्मा की पुकार तथा मातृभूमि के प्रति हमारी अनंत श्रद्धा का प्रतीक है। शर्मा ने कहा, यह गीत हमारे स्वतंत्रता संग्राम का प्राणतत्व बना, क्रांतिकारियों का मंत्र और एकता का सूत्र बना। मुख्यमंत्री ने कहा कि वंदे मातरम में भारतीयों को एक सूत्र में बांधने की शक्ति है। उन्होंने कहा कि इस गीत में गुलामी की जंजीरों को तोड़ने के लिए राष्ट्रभक्तों को आत्मशक्ति देने की ऊर्जा है और यह केवल राजनीतिक नारा नहीं है बल्कि एक आध्यात्मिक शक्ति है जो हमारी सामूहिक चेतना को जागृत करने की क्षमता रखती है। शर्मा ने कहा, आज वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर हमें यह संकल्प लेना होगा कि हम इस गीत की भावना को अपने जीवन में उतारेंगे।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि देश का युवा, महिला, किसान और मजदूर आगे बढ़ेगा तो हमारा देश-प्रदेश विकसित बनेगा। राज्य सरकार उसी मूलमंत्र के साथ विकसित राजस्थान की दिशा में काम कर रही है। युवाओं को रोजगार देने के साथ ही किसान कल्याण एवं महिला उत्थान के लिए काम हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने एसएमएस स्टेडियम में राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का अवलोकन किया जिसमें 1857 की क्रांति एवं भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के नायकों के योगदान से संबंधित जानकारी एवं विकसित भारत से संबंधित पेंटिंग दिखाई गईं। उन्होंने वंदे मातरम रेत कला को भी देखा।

समारोह में शर्मा ने प्रदेश के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर गायक पीयूष पंवार ने राष्ट्र भक्ति के गीतों की सुरमयी प्रस्तुति दी। साथ ही ड्रोन से स्टेडियम में पुष्प वर्षा की गई। कार्यक्रम में राजस्थान के लोक कलाकारों ने वाद्य यंत्रों के माध्यम से विशेष प्रस्तुति दी। इस अवसर पर शर्मा ने सभी लोगों को आत्मनिर्भर भारत की शपथ भी दिलाई।

चितौड़गढ़ में करोड़ों रुपये का मादक पदार्थ बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने चित्तौड़गढ़ जिले में करोड़ों रुपये का मादक पदार्थ बरामद कर इस सिलसिले में एक आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। चित्तौड़गढ़ के पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने बताया कि कोतवाली निम्बाहेड़ा थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक कार से चार किलोग्राम 635 ग्राम मादक पदार्थ (एमडीएमए पाउडर) जब्त किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस मादक पदार्थ की कीमत करोड़ों रुपये बताई गई है। पुलिस टीम ने जलिया चेकपोस्ट पर नीमच की तरफ से आ रही एक कार को रोका। कार की तलाशी लेने पर डिग्गी में एक थैले में प्लास्टिक की चार थैलियों में से मादक पदार्थ बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार यह मादक पदार्थ युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय है और इसकी एक ग्राम की कीमत भी हजारों रुपये में होती है। कार चालक अंकित सिंह सिसोदिया मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले का रहने वाला है। उसे गिरफ्तार कर कार को भी जब्त कर लिया गया है। आरोपी के खिलाफ स्वापक औषधि एवं मनप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

गहलोत ने कांग्रेस सरकार की परियोजनाओं की उपेक्षा करने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर गत कांग्रेस सरकार के दौरान शुरू की गई कई बड़ी परियोजनाओं की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि भाजपा सरकार ने इन परियोजनाओं का या तो काम धीमा कर दिया या काम पूरा होने के बाद भी इन्हें उपयोग में लेना शुरू नहीं किया। गहलोत ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा कि हमारी (पिछली) कांग्रेस सरकार ने राजस्थान को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए एक से एक शानदार परियोजनाएं बनाईं। उन्होंने इस संदर्भ में राजीव गांधी फिनटेक इंस्टीट्यूट, गांधी वाटिका म्यूजियम, कांस्टिट्यूशन क्लब, आईपीडी टॉवर, महात्मा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ गवर्नेंस एंड सोशल साइंसेज, 310 नए कॉलेज, पांच से अधिक विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों का जिक्र किया और कहा कि इन संस्थाओं की चर्चा पूरे देश में है।

उन्होंने कहा,यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा सरकार ने इन संस्थानों का या तो काम धीमा कर दिया या काम पूरा होने के बाद भी इन्हें उपयोग में लेना शुरू नहीं किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा,ये परियोजनाएं कोई हमारा व्यक्तिगत काम नहीं हैं बल्कि प्रदेश के बेहतर भविष्य के लिए कांग्रेस सरकार के योगदान का परिणाम हैं। पता नहीं भाजपा सरकार प्रदेश के भविष्य को लेकर क्यों गंभीर नहीं है।

गहलोत के अनुसार राज्य की भाजपा सरकार ने कांस्टिट्यूशन क्लब की सदस्यता भी पूरी तरह शुरू नहीं की है। इसी प्रकार गांधी वाटिका म्यूजियम के माध्यम से नई पीढ़ी तक गांधी को पहुंचाने की कोई कार्य योजना भाजपा सरकार ने नहीं बनाई है। उन्होंने कहा कि 'महात्मा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ गवर्नेंस एंड सोशल साइंसेज' में शासन (गवर्नेंस) और सामाजिक विज्ञान (सोशल साइंसेज) के नए पाठ्यक्रम हैं जिनके लिए अभी विद्यार्थियों को दूसरे राज्यों या विदेश में जाना पड़ता है।

गहलोत के अनुसार,पूरी इमारत बनने, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज सहित अन्य संस्थानों से जरूरी समझौते आदि होने के बाद भी यह संस्थान नई इमारत में शुरू नहीं हुआ है। उन्होंने कहा,हर संस्थान की लगभग यही कहानी है। भाजपा की सोच राजस्थान को बीमारू प्रदेश बनाने की लगती है अन्यथा कोई भी प्रगतिशील सरकार ऐसी सोच नहीं रखेगी।

अंता विधानसभा उपचुनाव : मुख्यमंत्री शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा ने किया संयुक्त रोड शो

जयपुर। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अंता विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए बृहस्पतिवार को शक्ति प्रदर्शन किया। इसके तहत, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने पार्टी उम्मीदवार मोरपाल सुमन के समर्थन में मांगरोल कस्बे में एक संयुक्त रोड शो किया। कस्बे में लगभग 2.5 किलोमीटर तक किये गए रोड शो में पार्टी कार्यकर्ताओं व अन्य लोगों की भारी भीड़ उमड़ी।

लोगों ने पूरे रास्ते पार्टी नेताओं पर फूल बरसाए। पार्टी नेताओं के अनुसार, इस कार्यक्रम का उद्देश्य 11 नवंबर को होने वाले मतदान से पहले एकजुटता का संदेश देना था। यह रोड शो सुभाष चौक से शुरू हुआ और सीसवाली तिराहे पर समाप्त हुआ। पूरे रास्ते में 50 से ज्यादा स्वागत द्वार बनाए गए थे।

मुख्यमंत्री शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री राजे और अन्य नेता खुली छत वाले वाहन पर सवार थे। इन्होंने लोगों का अभिवादन स्वीकार किया।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा और उम्मीदवार मोरपाल सुमन भी प्रचार वाहन पर मौजूद थे। रोड शो को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने अपनी सरकार द्वारा इलाके में किए गए विकास कार्यों को गिनाया। मुख्यमंत्री शर्मा ने युवाओं से नौकरी की चिंता न करने का आग्रह किया और आश्वासन दिया कि सरकार अपने कार्यकाल में चार लाख नौकरियां देने के लिए प्रतिबद्ध है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए शर्मा ने कहा, मौजूदा भाजपा सरकार विकास और गरीबों व किसानों के कल्याण के बारे में सोचती है, जबकि वे (कांग्रेस) झूठ बोलने और लूटने वाले लोग थे। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान कई बार पेपर लीक हुए थे लेकिन उनकी सरकार के दो साल के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है।

'वंदे मातरम' राष्ट्र की आत्मा का स्वर : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने पर शुक्रवार को कोटा जिलें के महाराव उम्मेद सिंह स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम देशभक्ति के जज्बे से सराबोर रहा। भारत माता के वंदन के इस उत्सव में सैकड़ों हाथों में लहराते तिरंगे और स्वर लहरियों के साथ भारत मां का गुणगान और नमन किया गया। इस अवसर पर शहीदों के परिजनों का सम्मान किया गया तथा प्रदर्शनी एवं स्वदेशी मेले का आयोजन भी हुआ। समारोह को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि यह दिन हम सभी के लिए गर्व और प्रेरणा का प्रतीक है। 150 वर्ष पूर्व बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने जब 'वन्दे मातरम' की रचना की, तब उन्होंने केवल एक गीत नहीं लिखा, बल्कि राष्ट्र की आत्मा को स्वर दिया।

यह गीत स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा बना, जिसने हर भारतीय के मन में मातृभूमि के प्रति प्रेम और त्याग की भावना जगाई। आज जब हम इस गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर नमन करते हैं, तो यह अवसर स्मरण के साथ संकल्प का भी है। आइए, हम सब मिलकर यह प्रण लें कि अपने कर्म और परिश्रम से आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान देंगे।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम' की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह गीत समृद्ध शब्द और अर्थ गौरव के कारण स्वतंत्रता संग्राम का प्रमुख प्रेरक बन गया। राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि राष्ट्रगीत वंदे मातरम राष्ट्रगान जन गण मन के बराबर सम्मान प्राप्त है। भारत माता की स्तुति के इस गीत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से पूरे देश में गुंजायमान करने का यह महती कदम उठाया गया है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने स्वेदशी संकल्प एवं एकता दिवस की शपथ दिलाई।

कोटा जिला प्रभारी मंत्री एवं सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने कहा, स्वतंत्रता संग्राम में इस गीत को जब भी गाया जाता तो यह गीत एक नया जोश भर देता। आजादी के बाद इस गीत को राष्ट्रगीत का दर्जा दिया गया। आज भी जब इसके स्वरों को हम दोहराते हैं तो हमारे मन, शरीर में एक नई ऊर्जा का संचार होता है। इसका एक-एक शब्द हमें नई शक्ति देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस उत्सव को राष्ट्रीय उत्सव बनाकर इस गीत के महत्व को हम सबको जानने का अवसर दिया है।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि आज का दिन हम सबको प्रेरणा देता है। वंदे मातरम मात्र एक गीत नहीं अपितु देश भक्ति का भाव जागने वाला गीत है। स्वतंत्रता संग्राम में इस गीत की ताकत को देखते हुए अंग्रेजी हुकूमत ने इस पर पाबंदी लगा दी थी। फिर भी यह गीत स्वतंत्रता का कारण बना जिसके स्वर हमेशा गुंजायमान रहेंगे, देशवासियों को प्रेरणा देते रहेंगे। कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने कहा कि युवाओं को भारत भूमि के प्रति समर्पित रहने, उसके प्रति अपने दायित्वों को समझने के लिए इस गीत के प्रति सम्मान भाव जरूरी है।

स्वास्थ्य मंत्री खींवसर तथा जिला प्रभारी के नेतृत्व में किया राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर वंदे मातरम150 का जिला स्तरीय समारोह शुक्रवार को बीकानेर के रवींद्र रंगमंच पर आयोजित हुआ। कार्यक्रम में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री तथा जिला प्रभारी मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगीत के सामूहिक गान के साथ हुई। सभी ने देशभक्ति की भावना के साथ राष्ट्रगीत का गायन किया। इस दौरान विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में नई दिल्ली में तथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में जयपुर में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम का संचालन गोपाल जोशी ने किया।

चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा रवींद्र रंगमंच पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में 29 चित्रों के माध्यम से वंदे मातरम के इतिहास तथा वंदे मातरम गीत के संबंध में विशिष्ट जनों के वक्तव्य को प्रदर्शित किया गया। इस दौरान चिकित्सा मंत्री ने कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा डेढ़ सौ वर्ष पूर्व लिखे इस गीत ने देश की आजादी चेतना जागृत की। आज भी यह गीत राष्ट्रीय चेतना और अखंडता का प्रतीक है।

गजेंद्र सिंह ने शहीद स्मारक पहुंचकर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा करते हुए अपना सर्वस्व बलिदान करने वाले भारत मां के सच्चे सपूतों के प्रति प्रत्येक देशवासी को कृतज्ञ होना चाहिए। हमारे बहादुर सैनिकों के कारण ही हमारे देश की सीमाएं सुरक्षित हैं। कार्यक्रम में बीकानेर (पूर्व) विधानसभा क्षेत्र विधायक सुसिद्धि कुमारी, संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा, जिला कलक्टर श्रीमती नम्रता वृष्णि सहित अनेक जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी तथा आमजन मौजूद रहे। कार्यक्रम में चूरू, श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ के जनप्रतिनिधियों ने भी शिरकत की।

देश के आजादी आन्दोलन का प्राण गीत है वंदे मातरम् : रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जल संसाधन मंत्री एवं जिला प्रभारी सुरेश सिंह रावत के मुख्य आतिथ्य में मास्टर आदित्येन्द्र राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भरतपुर में देशभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर समारोह पूर्वक मनाया गया। समारोह में 5 हजार से अधिक नागरिकों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रीय गीत गाकर वंदे मातरम /150 पर्व मनाया। जिला प्रभारी मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय चेतना के महान गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के हम साक्षी बन रहे हैं। यह गीत आजादी आन्दोलन का प्राण है। वंदे मातरम गीत ने गुलामी के काल खंड में आजादी के आन्दोलन को धार देने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि यह गीत हमारी संस्कृति की पहचान है। यह गीत आजादी के लाखों वीरों के लिए युद्धनाद बन गया था। उन्होंने कहा कि क्रांतिकारियों को एक सूत्र में बांधते हुए वंदे मातरम हर आन्दोलन में राष्ट्रीयता की पहचान बन गया था।

उन्होंने कहा कि वंदे मातरम में हमारी धरती माता का गुणगान जीवन्त आत्मा के रूप में किया गया है। गीत के शुरूआती शब्दों में भारत माता को हरियाली से आच्छादित, जल और अन्न से सम्पन्न और अपनी संतान को वात्सल्य, सौन्दर्य और शक्ति प्रदान करने वाली एक देवी के रूप में चित्रित किया है। उन्होंने युवाओं को देश के प्रति निष्ठा, एकता और सम्मान को सर्वोच्च मानने का आव्हान करते हुए प्रकृति, संस्कृति और राष्ट्र की रक्षा के लिए तत्पर रहने को कहा।

जिला प्रभारी मंत्री ने देश के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल द्वारा देश को एकता के सूत्र में पिरोने के लिए किये गये प्रयासों की चर्चा करते हुए कहा कि आज पूरा देश उनके जन्म की 150वीं जयन्ती मना रहा है। राष्ट्रीय एकता व अखंडता के लिए उनके द्वारा किये गये प्रयासों से युवाओं को सीख लेकर देश की अखंडता के लिए प्रयास करने चाहिए। समारोह में स्वतंत्रता सैनानी का सम्मान तथा स्काउट गाइड के स्टीकर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर सम्भागीय आयुक्त डॉ. टीना सोनी, जिला कलक्टर कमर चौधरी, जिला पुलिस अधीक्षक दिंगत आनन्द, अतिरिक्त कलक्टर प्रशासन घनश्याम शर्मा, शहर राहुल सैनी सहित सम्भाग एवं जिला स्तरीय अधिकारी, जन प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थी उपस्थित रहे। राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर तिरंगा हाथों में थामे विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने देशभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भव्य प्रस्तुति देकर समारोह को देशभक्ति के माहौल में रंग दिया। आर्मी स्कूल के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय गीत पर सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति दी, होली मदर विद्यालय की छात्राओं ने वंदे मातरत गीत को लयबद्ध प्रस्तुत किया।

भूमि आवंटन से प्रोजेक्ट विकास तक हो नियमित मॉनिटरिंग : पंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि राइजिंग राजस्थान के तहत विभिन्न क्षेत्रों में हुए एमओयू को धरातल पर मूर्त रूप देने के साथ ही आगामी तिमाही के ग्राउंड ब्रेकिंग लक्ष्यों की प्राप्ति में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी निवेशकों को भूमि आवंटन से लेकर प्रोजेक्ट के विकास तक की प्रक्रिया की नियमित मॉनिटरिंग करें, ताकि निवेश प्रस्ताव शीघ्रता से क्रियान्वित हो सकें।

पंत शुक्रवार को शासन सचिवालय में इस वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही के लिए राइजिंग राजस्थान के तहत हुए एमओयू के ग्राउंड ब्रेकिंग लक्ष्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा गत वर्ष आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान प्रदेश में लगभग 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए थे। इनमें से 7 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स पर एक वर्ष से भी कम समय में कार्य प्रारंभ हो चुका है। उन्होंने कहा अधिकारियों सेकहा कि निवेशकों से निरंतर संपर्क एवं समन्वय बनाकर इस संख्या को आगामी समय में और बढ़ाया जा सकता है।

मुख्य सचिव ने समिट के तहत हुए निवेश एमओयू की विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि नए प्रोजेक्ट्सकी ग्राउंड ब्रेकिंग के लिए विशेष कार्ययोजना बनाकर मिशन मोड में कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि भूमि आवंटन के उपरांत अधिकारी फील्ड में जाकर प्रोजेक्ट की वास्तविक स्थिति की जानकारी नियमित रूप से प्राप्त करें तथा परियोजना की प्रगति की तस्वीरें अपलोड कर प्रतिमाह अद्यतन रिपोर्ट सुनिश्चित करें।

उन्होंनेअधिकारियों से विभागवार एमओयू की प्रगति की जानकारी ली एवं लंबित प्रोजेक्ट्स के संबंध में भी आवश्यक कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख शासन सचिव उद्योग आलोक गुप्ता ने बताया कि रीको द्वारा अब तक निवेशकों को 1 हजार 387 एमओयू के क्रियान्वयन हेतु 347.45 हेक्टेयर भूमि आवंटन के पत्र जारी किए जा चुके हैं।

धनबाद में ट्रेन के डिब्बे से 78 कछुए बरामद

धनबाद/भाषा। झारखंड के धनबाद जिले में दून एक्सप्रेस के एक डिब्बे से शुक्रवार को भारतीय 'फ्लैपशेल' प्रजाति के कुल 78 कछुए जब्त किए गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। रेलवे पुलिस बल (आरपीएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि धनबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर ट्रेन के पहुंचते ही एक टीम ने तलाशी ली और डिब्बे में सीट के नीचे जूट के छह बोरे बरामद किए।

अधिकारी ने कहा, ''जब किसी भी यात्री ने इस बैग को अपना बताते हुए नहीं लिया तो उन्हें खोला गया। हमें उन बैगों में भारतीय फ्लैपशेल कछुए मिले, जो जिंदा थे।'' अधिकारी ने बताया कि यह तलाशी 'ऑपरेशन विलेप' के तहत की गई, जो वन्यजीवों और पशु अंगों की तस्करी से निपटने के लिए आरपीएफ का एक अभियान है। उन्होंने बताया कि औपचारिकताएं पूरी करने के बाद जब्त कछुओं को धनबाद वन प्रभाग के अधिकारियों को सौंप दिया गया।

पहले चरण के बाद महागठबंधन का गुब्बारा फूटा, बिहार फिर राजग सरकार बनाने को तैयार : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भभुआ/औरंगाबाद/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि पहले चरण के मतदान के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 'विजय पथ पर अग्रसर' है, जबकि महागठबंधन का 'गुब्बारा फूट चुका' है।

बिहार के भभुआ में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, पहले चरण के चुनाव के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)में खुशी का माहौल है जबकि कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का इको सिस्टम खुद कह रहा है कि 'फिर एक बार, राजग सरकार'। विरोधियों ने बिहार के युवाओं को भ्रमित करने की बहुत कोशिश की, लेकिन उनकी सारी योजना विफल हो गई। बिहार का जागरूक नौजवान जानता है कि राजद-कांग्रेस के इरादे क्या हैं। उन्होंने कहा, जंगलराज के युवराज से जब झूठे वादों के बारे में पूछा जाता है कि उन्हें कैसे पूरा करेंगे, तो कहते हैं कि 'हमारे पास प्लान है।' लेकिन जब पूछा जाता है कि 'प्लान क्या है', तो उनके पास कोई जवाब नहीं होता।

राजद पर तंज कसते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, राजद का प्लान रोजगार देने का नहीं, बल्कि रंगदारी वसूलने का है। उनके प्रचार गीतों में भी यही झलकता है 'आएगी भइया की सरकार, बनेंगे रंगदार।' यानी इनकी योजना है कि सरकार आते ही अपहरण और रंगदारी का धंधा फिर से शुरू हो जाएगा। राजद वालों का एक और गाना चल रहा है 'भइया के आवे दे सत्ता, कट्टा सट्टा के उठा लेब घरवा से।' ऐसे लोग जनता की सेवा नहीं, बल्कि कट्टा दिखाकर जनता को लूटने की तैयारी में हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जंगलराज के दौर में बिहार में विकास की हर संभावना की भ्रूण हत्या कर दी गई थी। उन्होंने कहा, कैमूर की धरती को प्रकृति ने बहुत कुछ दिया है। यह पर्यटन के लिहाज से एक आकर्षक स्थल बन सकता था, लेकिन जंगलराज ने इसे कभी विकसित नहीं होने दिया। जहां कानून का राज न हो, वहां कोई पर्यटक जाएगा क्या? उन्होंने कहा, नीतीश जी के नेतृत्व में इस क्षेत्र को उस भयावह स्थिति से बाहर निकाला गया है। अब धीरे-धीरे पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है। पहले जिन जलप्रपातों के आसपास माओवादियों का डर था, वहां अब रौनक है। तीर्थ स्थलों पर श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ रही है। नक्सलवाद और माओवाद का अंत हो रहा है, और यहां उद्योग व पर्यटन की नई संभावनाएं पैदा हो रही हैं।

प्रधानमंत्री ने जनता से अपील की, राजद के जंगलराज को लौटने मत दीजिए। यह चुनाव तय करेगा कि बिहार विकास के मार्ग पर आगे बढ़ेगा या फिर अंधेरे में लौट जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग अब जंगलराज नहीं, जनकल्याण चाहते हैं और यह केवल राजग सरकार दे सकती है।

लालू-राबड़ी-राहुल के पास बिहार के विकास का कोई एजेंडा नहीं : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जमुई/भागलपुर (बिहार)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं के पास बिहार के विकास के लिए कोई एजेंडा नहीं है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल(राजद)-कांग्रेस गठबंधन ने अपने शासनकाल में गरीबों के लिए कुछ नहीं किया, बल्कि 'घुसपैठियों को संरक्षण' देने का काम किया।

जमुई में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए शाह ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा, जो लोग सिर्फ अपने बेटे-बेटियों के कल्याण की चिंता करते हैं, वे बिहार का विकास नहीं कर सकते। उन्होंने दावा किया, हमें पांच साल का और मौका दीजिए, बिहार विकसित राज्यों की श्रेणी में गिना जाएगा। इसे बाढ़ से मुक्त किया जाएगा। लालू-राबड़ी-राहुल के पास विकास का कोई एजेंडा नहीं है। शाह ने आरोप लगाया, उन्होंने गरीबों के लिए कुछ नहीं किया, सिर्फ उन घुसपैठियों को संरक्षण दिया जो गरीबों की नौकरियां, अनाज और संसाधन छीन रहे हैं।

अंतिम संस्कार की तैयारियों के बीच ऐन वक्त पर लौट आई 70 वर्षीय व्यक्ति की सांसें

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश के इंदौर में अजब-गजब घटनाक्रम के दौरान एक घर में चल रहा मातम उस वक्त खुशियों में बदल गया, जब परिजनों द्वारा मृत मान लिए गए 70 वर्षीय व्यक्ति की सांसें अंतिम संस्कार की तैयारियों के बीच ऐन वक्त पर लौट आईं। इस व्यक्ति के बेटे ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। स्थानीय नागरिक संजय वेद ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि उनके पिता माखनलाल वेद (70) को एक नवंबर को ब्रेन हेमरेज के कारण शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने बताया, ''अस्पताल में मेरे पिता का ऑपरेशन हुआ। ऑपरेशन सफल रहा, लेकिन कुछ वक्त बाद उनकी हालत फिर बिगड़ गई और उन्हें जीवन रक्षक तंत्र पर रखा गया। लम्बे समय तक हालत में कोई भी सुधार नहीं होने पर हमने उन्हें अस्पताल से घर लाने का फैसला किया।'' वेद के मुताबिक उनके पिता को अस्पताल के जीवन रक्षक तंत्र से हटाए जाने के बाद बृहस्पतिवार को परिजनों को लगा कि उन्होंने सांस लेना बंद कर दिया है और उनका निधन हो चुका है।

'वंदे मातरम' देशभक्ति और बलिदान का प्रतीक : मोहन चरण माझी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शुक्रवार को कहा कि 'वंदे मातरम' सिर्फ एक गीत नहीं बल्कि देशभक्ति, बलिदान और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा लिखे गए राष्ट्रीय गीत की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर लोक सेवा भवन में एक कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए माझी ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के लिए शक्तिशाली हथियार के रूप में उभरे 'वंदे मातरम' पर तत्कालीन ब्रिटिश प्रशासन ने प्रतिबंध लगा दिया था। उन्होंने कहा, ''वंदे मातरम सिर्फ एक गीत नहीं है यह देशभक्ति, त्याग और वीरता का प्रतीक है। बंकिमचंद्र के उपन्यास 'आनंद मठ' का हिस्सा रहे इस गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान देशवासियों के दिलों में चेतना, उत्साह और क्रांतिकारी भावना जागृत की।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय गीत के दिल्ली से हुए सामूहिक गायन में माझी भी जुड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले एक वर्ष में सभी जिलों, स्कूलों, कॉलेजों, सरकारी और निजी संगठनों में सामूहिक गायन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

बिहार में राजग सरकार को जनता खारिज करेगी : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने पूर्व केंद्रीय मंत्री आर के सिंह द्वारा बिहार में ''बिजली घोटाले'' का आरोप लगाए जाने का हवाला देते हुए शुक्रवार को कहा कि राज्य के लोग राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को खारिज कर देंगे, क्योंकि उन्हें पता चल गया है कि व्यवस्था ''रिमोट कंट्रोल'' से चल रही है। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने 'एक्स' पर पोस्ट कर यह दावा किया कि अदाणी समूह के लिए 'लाल कालीन'' बिछाई गई है। बिहार में खड़े हुए इस राजनीतिक विवाद पर सरकार या भाजपा की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। सूत्रों का कहना है कि बिहार सरकार ने 2,400 मेगावाट की भागलपुर बिजली परियोजना अदाणी पावर लिमिटेड को एक प्रतिस्पर्धी बोली के बाद दी। वेणुगोपाल ने दावा किया, ''आर के सिंह 2017 से 2024 तक केंद्रीय ऊर्जा मंत्री रहे। अब वे 60,000 करोड़ रुपये के घोटाले का पर्दाफाश कर रहे हैं, क्योंकि प्रधानमंत्री ने बिहार में अदाणी के लिए लाल कालीन बिछा दी है।

अपने से ज्यादा देश के लिये विश्व कप जीतना चाहते थे : क्रिकेटर क्रांति गौड़

भोपाल/भाषा। मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भारत की विश्व कप विजेता क्रिकेट टीम की सदस्य क्रांति गौड़ को सम्मानित करते हुए उनकी उपलब्धियों की सराहना की। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के घुवारा गांव की तेज गेंदबाज क्रांति के माता पिता और कोच को भी सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर आयोजित किया गया। गौड़ ने इस मौके पर लोगों से बात करके विश्व कप में खिताबी जीत की यादों को ताजा किया। उन्होंने कहा ,'' विश्व कप जीतना हमारे और पूरे देश के लिये गर्व का पल था। हमें खुद से ज्यादा देश के लिये जीतना था। मैने अपने परिवार और बुंदेलखंड का नाम रोशन किया है जिसकी मुझे खुशी है।'' फिटनेस के बारे में पूछने जाने पर उन्होंने कहा ,'' हम इसका ध्यान रखते हैं कि क्या खाना है और क्या नहीं। आत्म संयम बहुत महत्वपूर्ण है।''

भाजपा, बीआरएस सांप्रदायिक मुद्दों पर फलते-फूलते हैं : अजहरुद्दीन

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने शुक्रवार को विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि दोनों पार्टियां सांप्रदायिक मुद्दों पर फलती-फूलती हैं। पूर्व क्रिकेटर ने 'पीटीआई वीडियो' से बातचीत में कहा कि दोनों पार्टियों को आगामी जुबली हिल्स उपचुनाव में अपने हश्र का एहसास हो गया है और इसलिए वे भ्रामक बातें कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''वे इन मुद्दों पर फलते-फूलते हैं। उनके पास और कोई काम नहीं है। बीआरएस और भाजपा दोनों साथ हैं। उपचुनाव तीन-चार दिनों में होने वाले हैं। उन्हें एहसास हो रहा है कि चुनावों में उनका क्या हश्र होगा। इसलिए वे ऐसी भ्रामक बातें कर रहे हैं।''

वह केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार द्वारा उन पर और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर की गई टिप्पणियों पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि निजाम के जमाने से हैदराबाद में हिंदू और मुसलमान सौहार्द से रहते आए हैं। अजहरुद्दीन ने कहा कि विपक्षी दलों का उद्देश्य धर्मनिरपेक्ष ताना-बाना को बिगाड़ना है। उन्होंने यह भी विश्वास जताया कि कांग्रेस उम्मीदवार नवीन यादव उपचुनाव जीतेंगे।

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार ने टोपी पहने नजर आए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को चुनौती दी कि वह अजहरुद्दीन को प्रार्थना करने और तिलक लगाने के लिए कहें। जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के लिए उपचुनाव 11 नवंबर को होगा।

प्रधानमंत्री ने टैगोर पर 'विभाजनकारी विधाराधारा' को बढ़ावा देने का आरोप लगाया, माफी मांगें : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय गीत के महत्वपूर्ण छंदों को हटाए जाने का बयान देकर रवींद्रनाथ टैगोर पर 'विभाजनकारी विचारधारा' को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री को माफी मांगनी चाहिए। रमेश ने एक पुस्तक का हवाला देते हुए यह भी कहा कि खुद टैगोर ने यह सुझाव दिया था कि 'वंदे मातरम' गीत के पहले दो छंदों को ही राष्ट्रीय गीत के रूप में अंगीकार किया जाए। शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर परोक्ष हमला करते हुए कहा कि 1937 में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के महत्वपूर्ण छंदों को हटा दिया गया था जिसने विभाजन के बीज बोये और ऐसी ''विभाजनकारी मानसिकता'' देश के लिए अब भी चुनौती है। मोदी ने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक साल तक मनाए जाने वाले स्मरणोत्सव की शुरुआत करते हुए ये टिप्पणियां कीं। मोदी ने इस अवसर पर यहां इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''सब्यसाची भट्टाचार्य की 'वंदे मातरम' पर लिखी गई विस्तृत जीवनी के ये अंश 29 अक्टूबर, 1937 के कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) के उस प्रस्ताव की पृष्ठभूमि प्रस्तुत करते हैं जिसमें 'वंदे मातरम' को अंगीकार किया गया था। बैठक से तीन दिन पहले 26 अक्टूबर, 1937 को टैगोर ने इस मुद्दे पर नेहरू को पत्र लिखा था। गुरुदेव स्वयं, जिनका वंदे मातरम से विशेष संबंध था, ने सुझाव दिया था कि इस गीत के पहले दो छंदों को अंगीकार किया जाए। उनके पत्र ने वास्तव में पूरे प्रस्ताव को गहराई से प्रभावित किया।'' कांग्रेस नेता ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी अब गुरुदेव पर ''विभाजनकारी विचारधारा'' को बढ़ावा देने का आरोप लगा रहे हैं।

पीढ़ियों से लोगों की चेतना को जागृत करता रहा है 'वंदे मातरम्' : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' पीढ़ियों से लोगों की चेतना को जागृत करता रहा है।

शर्मा ने राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में वर्ष भर चलने वाले समारोह की शुरुआत के लिए गुवाहाटी सचिवालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारियों समेत नागरिक भी मौजूद रहे। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''वंदे मातरम वह बुनियाद है जिस पर देश का सांस्कृतिक राष्ट्रवाद टिका हुआ है। पीढ़ियों से इसने राष्ट्र की चेतना को जागृत किया, इसकी कल्पनाशक्ति प्रज्वलित की, साहस को शक्ति दी और देश की एकता को प्रगाढ़ किया।'' पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) हरमीत सिंह ने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ असम पुलिस मुख्यालय में 'वंदे मातरम' का गायन किया।

असम पुलिस ने 'एक्स' पर कहा, ''डीजीपी असम पुलिस की उपस्थिति में गूंजे एकजुट स्वरों ने वंदे मातरम को नमन किया जिसने राष्ट्र को जागृत किया और आज भी हर भारतीय के हृदय को झंकृत करता है।''

कांग्रेस ने सांप्रदायिक एजेंडे की वजह से 1937 में वंदे मातरम का संक्षिप्त संस्करण अपनाया : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में 1937 में वंदे मातरम के संक्षिप्त संस्करण को अपनाने को लेकर शुक्रवार को कांग्रेस की आलोचना की।

भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने 'सांप्रदायिक एजेंडे' को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्र गीत से देवी दुर्गा की स्तुति वाले छंदों को हटा दिया।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सी. आर. केशवन ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि नेहरू की 'हिंदू विरोधी मानसिकता' की 'तीखी प्रतिध्वनि' कांग्रेस नेता में सुनाई देती है, जिन्होंने हाल में छठ पूजा को 'नाटक' बताकर उसका अपमान किया, जिससे करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हुईं।

केशवन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हमारी युवा पीढ़ी के लिए यह जानना जरूरी है कि कैसे नेहरू की अध्यक्षता में कांग्रेस पार्टी ने बेशर्मी से अपने सांप्रदायिक एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए, 1937 के फैजपुर अधिवेशन में केवल एक संक्षिप्त वंदे मातरम को पार्टी के राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया।''

उन्होंने कहा, ''यह किसी विशेष धर्म या भाषा से संबंधित नहीं था। लेकिन कांग्रेस ने इस गीत को धर्म से जोड़ने का ऐतिहासिक पाप और भूल की। नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस ने धार्मिक आधार पर जानबूझकर वंदे मातरम के उन छंदों को हटा दिया जिनमें देवी मां दुर्गा का गुणगान किया गया था।'' केशवन ने दावा किया कि नेहरू ने 1 सितंबर, 1937 को लिखे एक पत्र में 'द्वेषपूर्ण' रूप से लिखा था कि जो कोई भी वंदे मातरम के शब्दों को देवी से संबंधित मानता है, वह 'बेतुका' है। उन्होंने कहा कि नेहरू ने 'व्यंग्यात्मक' रूप से यह भी कहा था कि वंदे मातरम राष्ट्र गीत के रूप में उपयुक्त नहीं है। केशवन ने कहा कि वंदे मातरम राष्ट्र की एकता और एकजुटता की आवाज़ बन गया।

उन्होंने कहा कि यह ''हमारी मातृभूमि का उत्सव मनाता है, राष्ट्रवादी भावना का संचार करता है और देशभक्ति को बढ़ावा देता है।'' उन्होंने कहा, ''1937 में, अगर कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में नेहरू ने वंदे मातरम को छोटा करके देवी मां दुर्गा का उल्लेख हटा दिया था, तो मार्च 2024 में राहुल गांधी ने दुर्भावनापूर्ण टिप्पणी की: 'हिंदू धर्म में शक्ति नाम का एक शब्द है और हम शक्ति के ख़िलाफ़ लड़ रहे हैं'।''

उन्होंने आरोप लगाया, ''नेहरू की हिंदू विरोधी मानसिकता राहुल गांधी में तीव्रता से प्रतिध्वनित होती है, जिन्होंने हाल में पवित्र छठ पूजा को एक नाटक बताकर करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है।''

मणिपुर में लोकप्रिय सरकार के लिए भाजपा विधायक एकजुट : बीरेन सिंह

इंफाल/भाषा। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता एन बीरेन सिंह ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में पार्टी के विधायकों ने केंद्रीय नेताओं को बता दिया है कि जनता और विधायकों, दोनों की यही इच्छा है कि राज्य में जल्द से जल्द एक लोकप्रिय सरकार बने।

राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम' के गायन के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में सिंह ने कहा कि विधायक एक लोकप्रिय मंत्रिमंडल के गठन को लेकर एकजुट हैं। सिंह ने कहा, ''हम हाल में दिल्ली गए थे। 25 विधायकों ने भाजपा के उत्तर-पूर्व प्रभारी संबित पात्रा से मुलाकात की, जो स्वयं मणिपुर भवन आए थे। हमने उन्हें बताया कि जनता की मांग है कि एक लोकप्रिय सरकार बने। हमने आंतरिक रूप से विस्थापितों से जुड़े मुद्दों से भी उन्हें अवगत कराया।'' उनके मुताबिक पात्रा ने कहा कि राज्य में स्थिति में सुधार होने के कारण इस मामले को उच्च स्तर पर उठाया जाएगा।

मुझे लग रहा था कि शेफाली फाइनल में कुछ खास करेगी : प्रतिका रावल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मनोविज्ञान की छात्रा होने के नाते प्रतिका रावल को थोड़ी समझ है कि मानव मस्तिष्क किस तरह काम करता है और उनकी अंतरात्मा से उन्हें महसूस हुआ कि विश्व कप नॉकआउट में उनकी जगह लेने वाली शेफाली वर्मा फाइनल में कुछ खास करेगी।

हालांकि प्रतिका टखने और घुटने की चोट के कारण अपने करियर के सबसे अहम दो मैच में खेलने से चूक गईं लेकिन उनका शेफाली के बारे में अंदाजा बिलकुल सही रहा। प्रतिका ने पीटीआई वीडियो से कहा, ''शेफाली को प्रेरणा की जरूरत नहीं है। फाइनल से पहले वह मेरे पास आई और बोली, 'मुझे सच में अफसोस है कि तुम नहीं खेल सकती' और मैंने उससे कहा कि कोई बात नहीं, ऐसी चीजें होती रहती हैं। मुझे लग रहा था कि वह उस दिन कुछ खास करेगी। ''

प्रतिका ने टूर्नामेंट में 308 रन बनाए जिससे वह लौरा वोल्वार्ट (571), स्मृति मंधाना (434) और एशले गार्डनर (328) के बाद चौथे स्थान पर रहीं। लेकिन भारत के बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी ग्रुप लीग मैच में चोटिल हो गई। उन्होंने कहा, ''मुझे यह नहीं कहना चाहिए कि मैं अभी मनोवैज्ञानिक हूं क्योंकि मैंने अपनी मास्टर डिग्री पूरी नहीं की है। लेकिन मनोविज्ञान का अध्ययन करने वाली एक छात्रा के तौर पर मुझे मानवीय भावनाओं को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली जिसमें मेरी अपनी भावनाएं भी शामिल हैं। ''

प्रतिका ने कहा, ''पहली बात कि जो हो गया उसे स्वीकार करें। आप उसे वापस नहीं ला सकते। एक बार जब मैंने चोट को स्वीकार कर लिया तो मैंने केवल उन चीजों पर ध्यान केंद्रित किया जिन पर मैं नियंत्रण कर सकती थी और वो था चोट से उबरना, नींद लेना, पोषण और टीम का समर्थन करते रहना। '' उन्होंने कहा, ''मुझे चोट लगने से निराशा जरूर हुई लेकिन मैं इससे हताश नहीं हुई। मेरे पिताजी हमेशा मेरे साथ थे, मेरे कोच मेरा हालचाल पूछते रहते थे, मेरी मां और भाई के रोज फोन करते थे। मेरे पास एक बहुत अच्छा 'सपोर्ट सिस्टम' है। उन्होंने मुझे निराश या अकेला महसूस नहीं होने दिया। '' उन्होंने स्वीकार किया कि पिछले रविवार को जब उनकी साथी खिलाड़ी मैदान पर उन्हें (व्हीलचेयर पर) जश्न मनाने के लिए ले गईं तब उन्हें विश्वास ही नहीं हो रहा था। उन्होंने कहा, ''मुझे इस बात को स्वीकार करने में बहुत समय लगेगा कि हमने विश्व कप जीत लिया है। ''

उम्मीद है कि हॉकी विश्व कप में भी 50 साल का इंतजार खत्म होगा : गुरबख्श सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विश्व कप में खिताबी जीत को ऐतिहासिक बताते हुए भारतीय हॉकी के सबसे सीनियर ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता गुरबख्श सिंह ने उम्मीद जताई कि हरमनप्रीत सिंह की टीम हॉकी में भी विश्व कप के लिये 50 साल का इंतजार खत्म करेगी।

आठ बार की ओलंपिक चैम्पियन भारतीय पुरूष हॉकी टीम अब तक सिर्फ एक बार 1975 में कुआलालम्पुर में विश्व कप जीत सकी है। पिछली बार 2023 में भुवनेश्वर और राउरकेला में हुए विश्व कप में मेजबान भारत संयुक्त नौवे स्थान पर रहा था।

तोक्यो ओलंपिक 1964 में स्वर्ण और मैक्सिको में चार साल बाद कांस्य पदक जीतने वाले 90 वर्ष के गुरबख्श ने भारतीय हॉकी के सौ साल पूरे होने के अवसर पर भाषा से खास बातचीत में कहा ,''भारत की लड़कियों ने क्रिकेट में हाल ही में विश्व कप जीता है और इससे देश में महिला क्रिकेट को बहुत फायदा मिलेगा। उम्मीद है कि हॉकी में भी अगले साल विश्व कप जीतकर हम इंतजार खत्म करेंगे।'' विश्व कप अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में जुलाई अगस्त में होगा और भारत ने एशिया कप जीतकर टूर्नामेंट के लिये क्वालीफाई कर लिया है। उन्होंने कहा कि विश्व कप एस्ट्रो टर्फ के दौर में शुरू हुआ और यही वजह है कि भारत ओलंपिक के प्रदर्शन को उसमे दोहरा नहीं सका। गुरबख्श ने कहा ,'' विश्व कप एस्ट्रो टर्फ के आने के बाद आया। ओलंपिक में भी टर्फ के आने के बाद हमारे प्रदर्शन में गिरावट आई थी तो शायद वही वजह रही होगी लेकिन मौजूदा प्रदर्शन को देखते हुए मुझे यकीन है कि विश्व कप में भी पदक अब दूर नहीं।'' उन्होंने कहा कि हरमनप्रीत की कप्तानी वाली भारतीय टीम विश्व कप जीत सकती है लेकिन इसमें कुछ बदलाव करने होंगे। उन्होंने कहा ,'' इस टीम में अधिकांश खिलाड़ी दस साल से अधिक से खेल रहे हैं। बदलाव अच्छे होने चाहिये जिससे दावा और पुख्ता होगा। मेरी सलाह यही है कि अच्छा खेल रहे हो और इस लय को कायम रखो लेकिन जूनियर खिलाड़ियों में से भी कुछ को लाना होगा।''

सुविचार

अहंकार ही असल रूप में माया है। अतः मनुष्य को इसका त्याग कर देना चाहिए। अहंकार को त्याग कर के ही मनुष्य अपने लक्ष्य तक पहुंच सकता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बिहार: क्या कह रहा मतदाता?

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 64 प्रतिशत से ज्यादा मतदान होना मतदाताओं के भारी उत्साह को दर्शाता है। इसके लिए मतदाताओं को बधाई। अभी दूसरा चरण बाकी है। अगर उसमें भी मतदान बढ़ा तो प्रतिशत का आंकड़ा और ज्यादा बढ़कर आएगा। अब दूसरे चरण में दुगुना उत्साह दिखाइए। अभी जो आंकड़े आ रहे हैं, राजनीतिक दल उनके अलग-अलग मायने निकाल रहे हैं। वे यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि जनता-जनार्दन का आशीर्वाद उन्हें ही मिलने जा रहा है। बिहार में किसकी सरकार बनेगी, इसका फैसला तो ईवीएम खुलने पर ही होगा, लेकिन इस बात के मजबूत संकेत मिल रहे हैं कि बिहार का मतदाता राजनीति के धुरंधरों को चकित करने वाला है। जो हारेगा, वह खूब ही हारेगा। जिसकी सरकार बनेगी, उसे भरपूर आशीर्वाद मिलेगा। अगर पिछले विधानसभा चुनावों के आंकड़ों पर गौर करें तो पता चलता है कि बिहार में 60 प्रतिशत से ज्यादा मतदान कम ही देखने को मिला है। साल 2000 में 62.57 प्रतिशत मतदान हुआ था, जो उच्चतम था। तब राजद सबसे बड़ा दल बनकर उभरा था। उसके बाद मतदान प्रतिशत में काफी गिरावट आई थी। फरवरी 2005 में सिर्फ 46.5 प्रतिशत मतदान हुआ और नतीजा था- खंडित जनादेश। अक्टूबर 2005 में यह आंकड़ा गिरकर 45.85 प्रतिशत रहा और बिहार से राजद का पतन शुरू हो गया था। उसके बाद साल 2010 में 52.73 प्रतिशत, साल 2015 में 56.91 प्रतिशत और साल 2020 में 57.29 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस अवधि में (संक्षिप्त व्यवधान के बावजूद) नीतीश कुमार ही सरकार चलाते रहे।

सवाल है- इस बार बिहार में मतदान प्रतिशत में इतना उछाल आने की वजह क्या है? इसकी एक बड़ी वजह छठ पर्व है, जिसे मनाने के लिए प्रवासी बिहारी अपने-अपने घर गए हैं। उन्होंने उत्साह के साथ पर्व मनाया और मतदान भी किया, जिसका असर आंकड़ों में दिखाई दे रहा है। बिहार में चुनाव से पहले एसआईआर के तहत मतदाता सूची को शुद्ध किया गया था। उस दौरान कई मृतकों और अपात्र लोगों के नाम हटाए गए थे। जब शुद्ध मतदाता सूची आई तो मतदान प्रतिशत बढ़ गया। पहले बिहार में मतदान के दौरान भारी हिंसा होती थी। कई बूथों पर बदमाशों की मनमानी चलती थी और आम मतदाता भयभीत महसूस करता था। फर्जी मतदान की घटनाएं भी बहुत होती थीं। अब वैसी स्थिति नहीं रही। चुनाव आयोग ने बहुत अच्छे इंतजाम किए हैं। सुरक्षा बल मुस्तैद हैं। मीडिया की पैनी नजर है। सोशल मीडिया हर जगह है। इससे मतदाता का मनोबल बढ़ा है। लोगों में जागरूकता बहुत आई है। वे समझने लगे हैं कि यह चुनाव सिर्फ नारेबाजी और हार-जीत का नहीं है। यह उनके भविष्य का चुनाव है। प्रवासी बिहारी मजदूर अन्य राज्यों में कई परेशानियों का सामना करते हैं। वे नहीं चाहते कि उनके बच्चे भी इसी तरह अपना घर छोड़ें और परेशान हों। वे राजनीतिक दलों के वादों और दावों को परख रहे हैं। किसने पूर्व में कैसे कारनामे किए - यह जानने के लिए उन्हें किसी के पास जाने की जरूरत नहीं है। सबकुछ मोबाइल फोन में मौजूद है। बिहार में सबसे बड़ा मुद्दा 'पलायन' का है। शिक्षा, स्वास्थ्य, अपराध नियंत्रण, प्रशासन में पारदर्शिता - जैसे मुद्दे भी हैं, लेकिन मतदाता सोच रहे हैं- हमें रोजगार कौन देगा? पलायन कौन रोकेगा? इस बार बिहार में जो भी दल / गठबंधन सरकार बनाएगा, उस पर जनाकांक्षाओं का काफी दबाव रहेगा। इसलिए राजनेता उतने ही वादे करें, जितने निभा सकें।

ट्वीटर टॉक

जनजातीय गौरव, 'धरती आबा' भगवान बिरसा मुंडा जी की 150वीं जयंती के विशेष उपलक्ष्य में प्रदेशभर में आयोजित होने वाले जनजातीय गौरव वर्ष के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर आज उदयपुर में आयोजित बैठक को संबोधित किया।

-भजनलाल शर्मा

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस मना रहा है, यह दुखद है कि प्रदेश में आरजीएचएस के अंतर्गत इस गंभीर बीमारी से इलाज पाने वाले मरीजों का अमूल्य समय कागजी औपचारिकताओं में बर्बाद हो रहा है। भाजपा सरकार की यह लापरवाही दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं निंदनीय भी है।

-अशोक गहलोत

महाराष्ट्र में 1800 करोड़ की सरकारी ज़मीन, जो दलितों के लिए आरक्षित थी, सिर्फ़ 300 करोड़ में मंत्री जी के बेटे की कंपनी को बेच दी गई। ऊपर से स्टाम्प ड्यूटी भी हटा दी गई - मतलब एक तो लूट, और उसपर कानूनी मुहर में भी छूट!

-राहुल गांधी

प्रेरक प्रसंग

अति वाचालता का दुष्परिणाम

एक राजा बहुत अधिक बोलता था। उसका मंत्री विद्वान और शुभ चिंतक था। इसलिए सोचता रहता था कि राजा को कैसे इस दोष से मुक्त करूं और वह ज्ञान दू जो कि मनुष्य के हृदय में बहुत गहराई से उतरकर उसके स्वभाव का अंग बन जाता है। मंत्री उचित अवसर की तलाश में था कि राजा को अपने इस दोष का आभास हो और उसके द्वारा होने वाली हानि को समझकर निकल जाए। एक दिन राजा मंत्री के साथ उद्यान में घूमते हुए एक शिला पर बैठ गया। शिला के ऊपर आम के पेड़ पर कौवे का एक घोंसला था। उसमें काली कोयल अपना अण्डा रख गई। कोयल अपना घोंसला नहीं बनाती, वरन कौवे के घोंसले में ही अंडा रख देती है। कौवी उसे अपना पुत्र समझकर पालती थी। कोयल के बच्चे ने असमय जबकि उसके पर भी नहीं निकले थे, कोयल की आवाज की। कौवी ने सोचा- यह अभी विचित्र आवाज करता है, बड़ा होने पर क्या करेगा?' कौवी ने चोंच से मार-मारकर उसकी हत्या कर दी और घोंसले से नीचे गिरा दिया। राजा जहां बैठा था, वह बच्चा वहीं उसके पैरों के पास गिरा। राजा ने मंत्री से पूछा-मित्र ! यह क्या है? मंत्री को राजा की भूल बताने का यह अवसर मिल गया। मंत्री ने कहा- महाराज! अति वाचाल (बहुत बोलने वालों) की यही गति होती है।

सामयिक

चिंताजनक है महिलाओं पर डिजिटल हिंसा की मार

अमरपाल सिंह वर्मा

दुनिया भर में महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ डिजिटल साधनों का दुरुपयोग एक गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। आज डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके महिलाओं को बदनाम करने, परेशान करने और ब्लैकमेल करने की घटनाएं आम होती जा रही हैं। इस समस्या की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि संयुक्त राष्ट्र ने इस वर्ष 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक के 16 दिवसीय सक्रियता अभियान की थीम ही महिलाओं और लड़कियों के विरुद्ध डिजिटल हिंसा को समाप्त करने पर केंद्रित की है। इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं के खिलाफ डिजिटल हिंसा को समाप्त करने के लिए वातावरण तैयार करना है।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार महिलाओं और लड़कियों के विरुद्ध हिंसा हर तीन में से एक महिला को प्रभावित करती है। यह एक वैश्विक मानवाधिकार आपातकाल है जिसे रोका जाना चाहिए। दुर्व्यवहार के सबसे तेज़ी से बढ़ते रूपों में महिलाओं और लड़कियों के विरुद्ध डिजिटल हिंसा प्रमुख है। भारत में जितनी तेजी से डिजिटल क्रांति हुई है, उतनी तेजी से कोई क्रांति नहीं हुई। डिजिटल क्रांति ने मोबाइल फोन और इंटरनेट को आम लोगों तक पहुंचा दिया है। इसकी बदौलत आम जनता में जागरूकता और सशक्तिकरण जहां सकारात्मक पक्ष है, वहीं इसकी वजह से महिलाओं के खिलाफ हिंसा का एक नया रूप भी उभर कर सामने आया है। इसे ही 'डिजिटल हिंसा' नाम मिला है। यह वही हिंसा है जिसका सामना महिलाएं और लड़कियां सालों से वास्तविक दुनिया में करती रही हैं, पर डिजिटल युग में अब उसका रूप और माध्यम बदल गया है।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार किसी व्यक्ति या समूह द्वारा की गई वह हिंसा, जिसकी जड़ें लैंगिक असमानता या भेदभाव में हों और जिसमें डिजिटल या संचार तकनीक का इस्तेमाल किया गया हो, उसे डिजिटल लिंग आधारित हिंसा कहा जाता है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) के मुताबिक डिजिटल हिंसा महिलाओं और लड़कियों के लिए सामाजिक बदनामी का कारण बनती है। इस वजह से एक ओर उनका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है, वहीं इस कारण वे ऑफलाइन और ऑनलाइन संसार में अलग-थलग पड़ जाती हैं। इसका परिणाम कार्यस्थलों, शैक्षणिक संस्थानों और नेतृत्व की भूमिकाओं में भागीदारी प्रभावित होने के रूप में भी निकल रहा है।

महिलाओं के विरुद्ध डिजिटल हिंसा ऑनलाइन हैरेसमेंट, हेट स्पीच, तस्वीरों से छेड़छाड़, ब्लैकमेल, भद्दे संदेश भेजने और अवांछित कॉल जैसे कई रूपों में सामने आ रही है। एआई के दौर में फर्जी वीडियो, डीपफेक और एडिटेड कंटेंट तैयार करना पल भर का काम हो गया है। ऐसे में महिलाओं के लिए समस्या और भी बढ़ गई है। महिलाएं किस कदर डिजिटल हिंसा को झेल रही हैं, इसका अनुमान एक सर्वे से लगाया जा सकता है। 'द इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट' के एक सर्वे से पता चलता है कि दुनिया में 85 प्रतिशत महिलाओं को किसी न किसी रूप में ऑनलाइन हिंसा का सामना करना पड़ा हैं।

भारत में स्थिति चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के मुताबिक देश में कोरोना महामारी के बाद महिलाओं के खिलाफ साइबर अपराधों के मामले तेजी से बढ़े हैं जिनमें ब्लैकमेलिंग, बदनाम करना, तस्वीरों से छेड़छाड़, अभद्र सामग्री भेजना और फेक प्रोफाइल बनाना जैसी घटनाएं प्रमुख हैं। महिलाओं और लड़कियों का पीछा करने, उन्हें परेशान करने और उनके साथ दुव्यवहार करने के लिए डिजिटल उपकरणों का उपयोग बढ़ रहा है। आज महिलाएं डिजिटल दुव्यवहार के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। कब कोई किसी महिला की अंतरंग तस्वीरों को बिना उसकी अनुमति के सोशल मीडिया पर डाल दे, या कब कोई व्यक्ति किसी महिला की फर्जी या डिजिटल रूप से हेरफेर की गई न्यूड तस्वीर अथवा वीडियो बना कर सार्वजनिक कर दे, कौन जानता है। इसके बाद ब्लैकमेलिंग, धमकाने और यौन उत्पीडऩ का सिलसिला भी अब कोई छिपा हुआ तथ्य नहीं रह गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अभद्र भाषा और भद्दे कमेंट्स अब रोजमर्रा की बात हो गई है। ये घटनाएं केवल ऑनलाइन तक सीमित नहीं रहतीं बल्कि कई बार यही मानसिक और सामाजिक हिंसा, वास्तविक जीवन में शारीरिक शोषण और हत्या तक का कारण बन जाती है।

बड़ा सवाल है कि आखिर डिजिटल हिंसा क्यों बढ़ रही है? डिजिटल हिंसा का एक बड़ा कारण टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म के लिए कमजोर नियम और कानूनी ढांचे की अपर्याप्तता है। अधिकांश देशों में अब तक डिजिटल हिंसा को अलग अपराध के रूप में कानूनी मान्यता नहीं दी गई है। भारत में भी कानून तो हैं लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन किए जाने की जरूरत है। समस्या की एक बड़ी वजह सोशल नेटवर्किंग साइटों और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जवाबदेही का अभाव भी है। ये प्लेटफॉर्म अक्सर महिलाओं के उत्पीडऩ या निजी डाटा के दुरुपयोग पर समय पर कार्रवाई नहीं करते। ऐसे मामलों में रिपोर्टिंग प्रक्रिया जटिल है और कई बार पीड़ित महिलाओं को उल्टा शर्मिंदगी और समाज के संदेह का सामना करना पड़ता है। साइबर विशेषज्ञों के अनुसार डिजिटल दुव्यवहार को रोकना मुश्किल इसलिए है क्योंकि अपराधी अदृश्य, गुमनाम और तकनीकी रूप से सक्षम होते हैं। वे नकली पहचान, वीपीएन या फेक अकाउंट्स का इस्तेमाल करते हैं जिससे उनकी पहचान छिपी रहती है। साथ ही, सोशल मीडिया का तेज़ प्रसार, डाटा का निजीकरण न होना, और डिजिटल साक्षरता की कमी भी इस समस्या को और बढ़ा रही है। हमारे यहां ज्यादातर महिलाओं को यह भी नहीं पता होता कि उनके पास क्या कानूनी अधिकार हैं और वह ऐसे मामलों में शिकायत कैसे दर्ज कराएं।

सवाल यह उठता है कि इस समस्या का समाधान कैसे किया जा सकता है? इसमें कोई दो राय नहीं होनी चाहिए कि डिजिटल हिंसा को समाप्त करना किसी एक संस्था या सरकार का काम नहीं बल्कि इसके लिए साझा प्रयास करने होंगे। साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए सरकार को सख्त और स्पष्ट कानून बनाने होंगे। पुलिस और न्याय व्यवस्था में डिजिटल अपराधों की जांच के लिए विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता है। टेक्नोलॉजी कंपनियों की जवाबदेही सुनिश्चित करना भी जरूरी है। एआई के दौर में डीपफेक, फेक प्रोफाइल और ऑनलाइन ट्रोलिंग के खिलाफ स्वचालित सुरक्षा तंत्र विकसित किए बिना समाधान की ओर नहीं बढ़ा जा सकता है। समाज को भी रवैया बदलना होगा। पूर्वाग्रह के चलते ऐसे मामलों में महिलाओं को ही कटघरे में खड़ा कर दिया जाता है जबकि जरूरत इस बात की है कि पीड़ित महिलाओं को दोष देने के बजाय उनका समर्थन किया जाए। मीडिया को डिजिटल हिंसा से जुड़े मुद्दों पर जागरूकता बढ़ानी होगी। अब समय आ गया है, जब स्कूलों और कॉलेजों में डिजिटल नैतिकता और ऑनलाइन सुरक्षा पर आधारित पाठ्यक्रम जोडऩे चाहिए। यह इसलिए जरूरी है क्योंकि डिजिटल युग में हिंसा का चेहरा बदल गया है लेकिन उसका असर उतना ही गहरा है। डिजिटल हिंसा की शिकार हुई महिलाओं से इस बारे में पूछा जाए तो इसका पता चल सकता है।

मुद्दा

हर कोई लांघ रहा है अनुशासन की सीमा

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अनुशासन आवश्यक है। यदि अनुशासन का पालन नहीं किया जाए तो जीवन उच्छृंखल बन जाएगा। हमारे देश की आज यही हालत है। ऐसा लगता है जैसे अनुशासन को हमने अपने शब्दकोष से ही निकाल दिया है। यही कारण है कि हर क्षेत्र में अनुशासनहीनता का बोलबाला बढ़ गया है। विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका को लोकतंत्र के तीन प्रमुख स्तंभ माना जाता है। इसमें चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया को शामिल किया गया। कहा जाता है कि लोकतंत्र की सफलता के लिए जरूरी है कि उसके ये चारों स्तंभ मजबूत हों। चारों अपना अपना काम पूरी जिम्मेदारी, ईमानदारी व निष्ठा से करें। मगर ये बातें अब कागजों तक सीमित होकर रह गई है। लोकतंत्र के इन स्तम्भों पर एक नजर डालें तो सर्वत्र अनुशासनहीनता ही देखने को मिलेगी। केंद्र और राज्य सरकारें सरेआम एक दूसरे को नीचा दिखाने पर तुली है। प्रधानमंत्री पद की मर्यादाओं को ताक पर रख दिया गया है। राजनीतिक पार्टियों और नेताओं का आचरण अनुशासन की सीमा को लाँघ रहा है। कार्यपालिका संवैधानिक व्यवस्थों को तार तार करने में जुटी है। दिल्ली का ज्वलंत उदहारण हमारे सामने है। न्यायपालिका को जनतंत्र का रखवाला माना जाता है मगर दूसरों को न्याय का आईना दिखाने वालों ने परस्पर आरोप प्रत्यारोपों की झड़ी लगाकर न्याय के मंदिर में अनुशासन की बलि चढ़ा दी। आखिर अनुशासन बचा कहाँ है।

मानव जीवन की पहली सीढ़ी विद्याध्ययन की है जहाँ छात्र सबसे पहले अनुशासन का पाठ सीखता है। विद्या के इन मंदिरों में अनुशासनहीनता का खेल जमकर खेला जाता है। शिक्षा के मंदिर से लोकतंत्र के मंदिर संसद तक अनुशासन स्वाहा हो रहा है। कहने का तात्पर्य है जीवन का ऐसा कोई क्षेत्र नहीं बचा है जहाँ अनुशासन सही सलामत हो। आज विश्व में जितनी समस्याएं हैं उनका एक मात्र कारण है मनुष्य का अनुशासन हीन जीवन। अनुशासन का पाठ बचपन से परिवार में रहकर सीखा जाता है। विद्यालय जाकर अनुशासन की भावना का विकास होता है। अच्छी शिक्षा विद्यार्थी को अनुशासन का पालन करना सिखाती है। स्वामी विवेकानंद के अनुसार आदर्श, अनुशासन, मर्यादा, परिश्रम, ईमानदारी तथा उच्च मानवीय मूल्यों के बिना किसी का जीवन महान नहीं बन सकता है। अनुशासन, लक्ष्यों और उपलब्धि के बीच का सेतु है।

बिना अनुशासन के जीवन अधूरा और असफल है। विद्यार्थी जीवन में इसकी आवश्यकता इसलिए सबसे अधिक है क्योंकि इस समय विकसित गुण-अवगुण ही आगे चलकर उसके भविष्य का निर्माण करते हैं । अनुशासन के महत्व को समझने वाले विद्यार्थी ही आगे चलकर डॉक्टर, इंजीनियर व ऊँचे पदों पर आसीन होते हैं । अनुशासन का अर्थ है शासन या नियंत्रण को मानना । आदर्श जीवन जीने के लिए व्यवस्थाओं का अनुसरण करना ही अनुशासन है अपने को वश में रखना अनुशासन है, अर्थात नियमानुसार जीवन के प्रत्येक कार्य करना जीवन को अनुशासन में रखना है । अनुशासन से दैनिक जीवन में व्यवस्था आती है । मानवीय गुणों का विकास होता है । नियमित कार्य करने की क्षमता, प्रेरणा मिलती होती है अनुशासन ही मनुष्य को एक अच्छा व्यक्ति व एक आदर्श नागरिक बनाता है।

जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अनुशासन का महत्व है। अनुशासन से धैर्य और समझदारी का विकास होता है। समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है। इससे कार्य क्षमता का विकास होता है तथा व्यक्ति में नेतृत्व की शक्ति जाग्रत होने लगती है अनुशासन स्वतंत्रता प्रदान करता है जो व्यक्ति अनुशासित रूप से जीते हैं उन्हें स्वत ही विद्या, ज्ञान एवं सफलता प्राप्त होती है। आइंस्टीन ने कहा ऐसा नहीं है कि मैं अधिक बुद्धिमान हूँ। मैं केवल समस्याओं का हल ढूंढने के विषय में और समय बिताता हूँ। अनुशासन के लिए विश्वास भरी दृढ़ता की आवश्यकता है। आप को पसंद हो या ना हो उस की चिंता करे बिना यदि आप अपने चुने हुए मार्ग पर चलते रहें तो वह वास्तव में अनुशासन है। यदि आप सकारात्मक हो कर अपने मार्ग को पसंद करने की विधि जान लें तो अनुशासित रूप से जीना सहज हो जाता है।

नजरिया

सुरों की साधिका सुलक्षणा पंडित नहीं रहीं

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल: 9989703240

छह नवंबर 2025 को हिंदी फिल्म और संगीत जगत की सुरमयी आवाज़ सदा के लिए खामोश हो गई। प्रसिद्ध गायिका और अभिनेत्री सुलक्षणा पंडित का मुंबई के नानावटी अस्पताल में निधन हो गया। वे 71 वर्ष की थीं और पिछले कई वर्षों से अस्वस्थ थीं। उनके जाने से फिल्म इंडस्ट्री के एक स्वर्णिम युग की स्मृतियाँ फिर से ताज़ा हो उठीं - वो दौर, जब गीतों में आत्मा होती थी और चेहरों पर अभिनय नहीं, भावनाएँ बोलती थीं। सुलक्षणा पंडित का जन्म 12 जुलाई 1954 को छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में हुआ था। उनका परिवार भारतीय संगीत परंपरा का एक सम्मानित स्तंभ रहा। वे महान शास्त्रीय गायक पंडित जसराज की भतीजी थीं, जबकि उनके भाई जतिन-ललित ने 90 के दशक में हिंदी सिनेमा को अनगिनत अमर धुनें दीं। उनकी बहन विजयता पंडित भी फिल्म जगत से जुड़ी रहीं। इस संगीतपूर्ण वातावरण में पली-बढ़ी सुलक्षणा के भीतर कला का बीज बचपन से ही गहराई तक बोया गया था। संगीत उनके लिए केवल अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि एक साधना थी।

उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 1975 में उलझन' फिल्म से की थी, जिसमें उनके साथ संजीव कुमार थे। यह जोड़ी पर्दे पर बहुत पसंद की गई। इसके बाद उन्होंने संकोच', हेरा फेरी', अपनापन', खानदान', चेहरे पे चेहरा' और धर्म कांटा' जैसी फिल्मों में अभिनय किया। उनका अभिनय सहज, कोमल और भावनाओं से भरा हुआ था। वे किसी चरित्र को ओढ़ती नहीं थीं, बल्कि जीती थीं। उनकी आँखों में सादगी, आवाज़ में अपनापन और मुस्कान में एक अनकही कहानी झलकती थी। पर अभिनय से पहले वे एक गायिका थीं। 1967 में बतौर बाल गायिका उन्होंने फिल्म सात समुंदर पार' में लता मंगेशकर के साथ गाना गाकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। 1975 में आई फिल्म संकल्प' का उनका गीत तू ही सागर है, तू ही किनारा आज भी सुनने वालों को भीतर तक भिगो देता है। इस गीत के लिए उन्हें फिल्मफेयर का सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्वगायिका पुरस्कार मिला। उन्होंने किशोर कुमार, मोहम्मद रफ़ी, हेमंत कुमार, महेंद्र कपूर, येसुदास और लता मंगेशकर जैसे महान कलाकारों के साथ काम किया। उनकी गायकी में शास्त्रीयता की गहराई और भावनाओं की मिठास का दुर्लभ संगम था।

वर्ष 1980 में उनका ग़ज़ल एल्बम 'जज़्बात' आया, जिसने उन्हें एक नए रूप में सामने लाया। उस दौर में जब ग़ज़ल सुनना एक नफ़ासत माना जाता था, सुलक्षणा ने अपनी कोमल आवाज़ से प्रेम, विरह और एकाकीपन को नया अर्थ दिया। उनके गीतों में स्त्री की संवेदना थी - वह स्त्री जो प्रेम करती है, टूटती है, पर भीतर कहीं एक अदम्य गरिमा बनाए रखती है। लेकिन सुलक्षणा का जीवन केवल गीतों की मिठास से नहीं बना था। उनके जीवन में गहरी चुप्पियाँ भी थीं। कहा जाता है कि वे अभिनेता संजीव कुमार से गहराई से प्रेम करती थीं, पर यह प्रेम अधूरा ही रह गया। संजीव कुमार ने विवाह नहीं किया, और 6 नवंबर 1985 को उनका निधन हो गया।

यह एक अजीब संयोग है कि ठीक चालीस साल बाद, उसी तारीख को, सुलक्षणा भी इस दुनिया से चली गईं - जैसे उनकी जीवन-धुन ने अंततः उसी तान पर विराम लिया, जहाँ से वह कभी टूटी थी। संजीव के जाने के बाद सुलक्षणा ने जीवनभर विवाह नहीं किया। उन्होंने खुद को धीरे-धीरे दुनिया से अलग कर लिया। बीते लगभग सोलह वर्षों से वे गंभीर रूप से बीमार थीं और अधिकतर समय बिस्तर पर रहीं। आर्थिक तंगी के दिन भी आए, पर उनके परिवार - विशेषकर भाई जतिन-ललित और बहन विजयता - ने उन्हें हमेशा संभाले रखा। अभिनेता जीतेंद्र ने भी एक बार उनकी मदद की थी। पर सुलक्षणा की दुनिया अब संगीत और सिनेमा से बहुत दूर जा चुकी थी।

उनके जीवन में जितना वैभव था, उतना ही विरह भी। वे अपने गीतों की तरह ही थीं - मीठी, भावुक और गहरी। वे उस पीढ़ी की प्रतिनिधि थीं, जिसने कला को करियर नहीं, साधना माना। उन्होंने अभिनय और गायन दोनों में अपनी छाप छोड़ी, और आज भी उनका नाम सम्मान से लिया जाता है। उनका जीवन यह सिखाता है कि प्रतिभा के साथ संवेदना हो, तो कलाकार समय से परे हो जाता है। 6 नवंबर की वह रात जब उनके निधन की खबर आई, तो सोशल मीडिया पर कलाकारों, संगीतकारों और प्रशंसकों ने उन्हें याद किया। हर श्रद्धांजलि के साथ एक धुन थी, जो उनकी आवाज़ की तरह ही कोमल और स्मरणीय थी।

उनके भाई ललित पंडित ने बताया कि उन्हें हार्ट अटैक आया था। अगले दिन मुंबई में उनका अंतिम संस्कार किया गया। सुलक्षणा पंडित का जीवन एक अधूरी कविता की तरह था - जिसमें प्रेम था, वियोग था, पर साथ ही था संगीत का अटूट विश्वास। वे अपने पीछे गीतों, फिल्मों, यादों और उस मुस्कान को छोड़ गईं जो अब भी उनके सुरों में गूंजती है। शायद यही उनकी अमरता है - कि जब भी कोई तू ही सागर है, तू ही किनारा सुनता है, उसके भीतर कुछ देर के लिए दुनिया ठहर जाती है, और उस ठहराव में सुलक्षणा पंडित फिर से जीवित हो उठती हैं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

स्वागत

महिला एकदिवसीय विश्व कप 2025 जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम की सदस्य ऋचा घोष शुक्रवार को अपने गृहनगर सिलीगुड़ी पश्चिम बंगाल पहुँचीं।

'मनुस्मृति' नहीं लागू होने देंगे, चाहे जान चली जाए : खरगे

सासाराम (बिहार)/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर देश में 'मनुस्मृति' को लागू करने के प्रयास का आरोप लगाया और कहा कि यह नहीं होने दिया जाएगा, चाहे जान क्यों न चली जाए। उन्होंने रोहतास के चेनारी में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि महागठबंधन की तरफ से तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया गया ताकि पलायन खत्म हो और बेरोजगारी कम हो।

खरगे ने कहा, ''मोदी जी ने कहा कि कनपटी पर कट्टा रखकर राजद ने मुख्यमंत्री का पद ले लिया। जबकि सच्चाई ये है कि चोर तो यही लोग हैं और 'वोट चोरी' करते हैं।''

उनका कहना था, ''नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि 15-15 लाख रुपये खाते में भेजूंगा, हर साल दो करोड़ नौकरियां दूंगा, किसानों को एमएसपी की गारंटी दूंगा, गरीबों को पक्का मकान बना के दूंगा और महिलाओं को फ्री में गैस सिलेंडर दूंगा। ये वादे किए, जमीन पर कुछ नहीं किया।'' उन्होंने आरोप लगाया कि नरेन्द्र मोदी सिर्फ 'झूठ पर झूठ' बोलते हैं। खरगे ने कहा, ''वह (नरेन्द्र मोदी) मनुस्मृति को सामने रखकर उसके तहत समाज को चलाना चाहते हैं। जिसे आंबेडकर ने जलाया, उस मनुस्मृति को ये वापस लाना चाहते हैं...यह नहीं चलेगा, चाहे हमारी जान चली जाए। हर गरीब स्वाभिमान से जिएगा।'' उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार 20 साल तक मुख्यमंत्री रहने के बाद भी पलायन नहीं रोक सके। खरगे ने कहा, ''अगर थोड़ी शर्म है तो पहले पलायन बंद करो, रोजगार दो।''उनका कहना था, ''हमने तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाने का इरादा किया ताकि पलायन रोका जा सके, बेरोजगारी कम हो और गांवों में खुशहाली लाई जा सके।''उन्होने दावा किया कि भाजपा और आरएसएस में महिलाओं का कोई स्थान नहीं है।

अगले वर्ष भारत की यात्रा कर सकता हूं : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह अगले वर्ष भारत की यात्रा कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री को एक ''अच्छा व्यक्ति'' और मित्र बताते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी ''चाहते'' हैं कि वह भारत आएं।

ट्रंप ने 'ओवल ऑफिस' में बृहस्पतिवार को एक सवाल पर कहा, ''वह (प्रधानमंत्री मोदी) मेरे दोस्त हैं, हम बात करते रहते हैं... वह चाहते हैं कि मैं वहां आऊं। हम इस पर विचार कर रहे हैं। मैं जाऊंगा। मैंने वहां प्रधानमंत्री मोदी के साथ एक शानदार यात्रा की थी। वह एक अच्छे व्यक्ति हैं। मैं फिर जाऊंगा।''जब उनसे पूछा गया कि क्या वह अगले साल भारत की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो ट्रंप ने जवाब दिया, ''हां, हो सकता है।''

भारत नई दिल्ली में क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका के नेता भाग लेंगे। इससे पहले 2024 का शिखर सम्मेलन विलमिंगटन (डेलावेयर) में आयोजित हुआ था। बहरहाल, भारत में होने वाले सम्मेलन की तारीखों की घोषणा अभी नहीं हुई है।

इस बीच, राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया कि भारत ने रूस से खरीदारी बंद कर दी है। ट्रंप ने मोदी के साथ वार्ता और भारत के साथ व्यापार चर्चा की प्रगति के बारे में पूछे गए एक सवाल पर कहा, ''यह बहुत अच्छी है, सब अच्छा चल रहा है। उन्होंने (प्रधानमंत्री मोदी ने) रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया... काफी हद तक उन्होंने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया।''ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत जवाबी शुल्क और रूसी तेल की खरीद के लिए अतिरिक्त 25 प्रतिशत कर लगाया, जिससे भारत पर लगाया गया कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया।भारत ने अमेरिकी कार्रवाई को अनुचित, अन्यायपूर्ण और अव्यवहारिक बताया था और कहा था कि उसकी ऊर्जा नीति राष्ट्रीय हितों से प्रेरित है।पत्रकारों के समक्ष अपनी टिप्पणी में ट्रंप ने इस दावे को भी दोहराया कि उन्होंने व्यापार के माध्यम से मई में भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध को रोका था। उन्होंने कहा, ''मैंने आठ युद्ध खत्म कराए जिनमें से पांच या छह तो शुल्क (टैरिफ) के जरिए खत्म कराए।

कैटरीना कैफ और विक्की कौशल बने माता-पिता, बेटे का स्वागत किया

मुंबई/भाषा

फिल्म अभिनेत्री कैटरीना कैफ और अभिनेता विक्की कौशल ने शुक्रवार को अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। दोनों एक बेटे के माता पिता बने हैं। दंपति ने अपने अपने संबंधित 'इंस्टाग्राम' अकाउंट पर संयुक्त बयान जारी कर यह जानकारी साझा की। पोस्ट में उन्होंने लिखा है, ''हमें खुशियों की सौगात मिली है। अपार कृतज्ञता के साथ हम अपने नन्हे मेहमान का स्वागत करते हैं। सात नवंबर, 2025 - कैटरीना और विक्की।'' कैटरीना और विक्की नौ दिसंबर, 2021 को राजस्थान में एक निजी समारोह में विवाह बंधन में बंधे थे। इस साल सितंबर में कैटरीना के गर्भवती होने की घोषणा की गई थी। उस समय उन्होंने एक 'पोलरॉइड' तस्वीर साझा की थी जिसमें दोनों कैटरीना और विक्की बेबी बंप को खुशी से निहारते हुए दिख रहे थे। ''खुशी और कृतज्ञता से भरे दिलों के साथ अपने जीवन के सबसे अच्छे अध्याय की शुरुआत करने जा रहे हैं।'' विक्की हाल में ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म 'छावा' में दिखे थे और अब वह संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के साथ नजर आने वाले हैं। कैटरीना आखिरी बार 2024 में रिलीज हुई थ्रिलर 'मेरी क्रिसमस' में विजय सेतुपति के साथ नजर आई थीं।

वंदे मातरम

तिरुवनंतपुरम में शुक्रवार को राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर अन्य पार्टी नेताओं के साथ।

नौ साल बाद टीवी पर कमबैक कर रहीं माही विज

मुंबई/एजेन्सी

टीवी इंडस्ट्री में लंबे समय तक गुम होने के बाद किसी अभिनेता की वापसी हमेशा ही चर्चा में रहती है। ऐसा ही एक नाम है माही विज का। नौ साल के गैप के बाद माही टीवी की दुनिया में लौट रही हैं, और उनके फैंस के लिए यह किसी तोहफे से कम नहीं है। उन्होंने अपने व्लॉग में यह घोषणा की कि वह कलर्स टीवी के नए शो 'सहर होने को है' की शूटिंग शुरू कर चुकी हैं। माही विज ने व्लॉग में सेट की कुछ झलकियां साझा करते हुए बताया, ''यह पहला दिन है और मैं फिर से शूटिंग शुरू करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे जरूरत के समय काम मिला। मैं सेट पर वापस जाना चाहती थी। इंतजार खत्म हुआ, आपकी नकुशा वापस आ गई है।'' माही ने इस दौरान यह भी बताया कि उनका नया किरदार एक टीनएजर की मां का है और इसके लिए उन्होंने पहले मना किया था। उन्होंने कहा, ''शुरू में इस रोल को करने में हिचक थी, क्योंकि मैं खुद इस किरदार को निभाने के लिए तैयार नहीं थी। जब मुझे यह शो पहले मिला था, तो मैंने मना कर दिया था। मैं इंस्टाग्राम से अच्छी

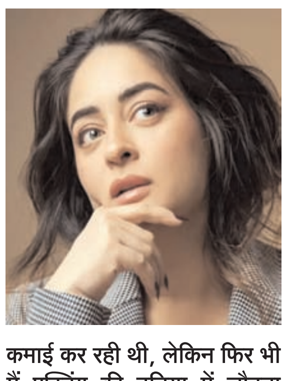

कमाई कर रही थी, लेकिन फिर भी मैं एक्टिंग की दुनिया में लौटना चाहती थी।'' तलाक की खबरों के बीच माही का यह प्रोफेशनल कमबैक और भी महत्वपूर्ण हो गया है। पिछले हफ्ते मीडिया में उनके और जय भानुशाली के बीच तलाक की अफवाहें वायरल हुई थीं। कुछ रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया कि माही ने जय से गुजारा भत्ते के तौर पर 5 करोड़ रुपए की मांग की है। इन खबरों का खंडन करते हुए माही ने अपने व्लॉग में कहा, ''मैं पढ़ रही हूं कि मेरे तलाक के कागजों पर साइन हो गए हैं। प्लीज मुझे वो कागज दिखाइए। जब तक हम कुछ न कहें, किसी को भी हमारी निजी जिंदगी में दखल देने का हक नहीं है।'' माही ने अपने व्लॉग में यह भी बताया कि घर में उनकी मां बीमार हैं और तीन बच्चे हैं। उनकी बेटी खुशी ने अफवाहों के बारे में पढ़कर उनसे सवाल भी किया। माही ने फैंस और मीडिया से अपील की कि उनके निजी जीवन में दखल न दें और उनके परिवार के मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल रखा जाए। माही और जय की शादी 2011 में हुई थी। 2017 में उन्होंने दो फॉस्टर बच्चों, खुशी और राजवीर की जिम्मेदारी ली, और 2019 में उनकी बेटी तारा का जन्म हुआ। अब, माही नए शो में पार्थ समथान और ऋषिका राठौर के साथ स्क्रीन साझा करेंगी, और दर्शकों को एक नई कहानी के साथ उनका अभिनय देखने को मिलेगा।

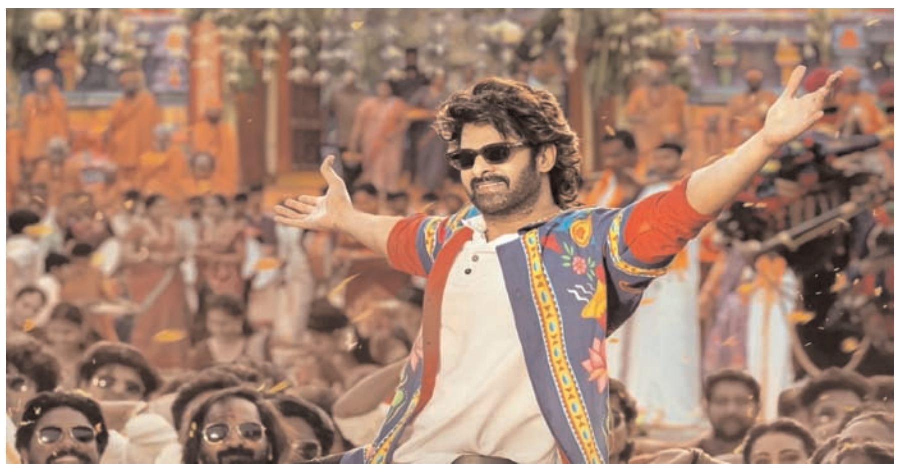

'द राजा साब' 9 जनवरी को होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

पीपल मीडिया फैक्टरी, जो इस हाई-प्रोफाइल फिल्म का निर्माण कर रही है, उसने आधिकारिक रूप से साफ कर दिया है कि रिलीज़ डेट में किसी भी तरह का बदलाव नहीं किया गया है। फिल्म तय तारीख 9 जनवरी 2026 को ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के निर्माता टीजी विश्व प्रसाद ने टीम की ओर से बयान जारी करते हुए कहा, रिबेल स्टार प्रभास की मेगा फिल्म 'द राजा साब' को लेकर जो खबरें फैलाई जा रही हैं कि इसकी रिलीज़ संक्रांति 2026 से आगे बढ़ाई जा रही है, वे पूरी तरह गलत हैं। फिल्म 9 जनवरी 2026 को विश्वभर में रिलीज़ होगी, जैसा पहले ही आधिकारिक रूप से घोषित किया गया था।

पोस्ट-प्रोडक्शन का काम तेजी से चल रहा है और हर तकनीकी पहलू को बेहतरीन तरीके से पूरा किया जा रहा है।

मारुति के निर्देशन और लेखन में बनी 'द राजा साब' में प्रभास के साथ मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल, ऋद्धि कुमार, संजय दत्त और बोमन ईरानी जैसे दमदार कलाकार नजर आएंगे। शानदार विजुअल्स, हॉरर और फैंटेसी के अनोखे मिश्रण के साथ 'द राजा साब' 2026 की सबसे बड़ी सिनेमाई पेशकशों में से एक साबित होने वाली है।

रुक्मिणी वसंत ने 'टॉक्सिक' पर तोड़ी चुप्पी, बोली ऐसा कुछ भारतीय सिनेमा में पहले कभी नहीं देखा

मुंबई/एजेन्सी

एक मज़ेदार और दिलखोल इंस्टाग्राम -च- सेशन के दौरान एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत ने अपने फैंस से सीधा दिल की बात की और जाहिर है, सबसे ज़्यादा सवाल उनके आने वाले मेगा प्रोजेक्ट टॉक्सिक को लेकर ही थे। गीथू मोहनदास के निर्देशन में और यश के साथ बनी इस फिल्म ने पहले ही रिलीज़ से पहले एक्साइटमेंट का मीटर हाई कर दिया है। जब एक फैन ने उनसे पूछा, टॉक्सिक से हमें क्या उम्मीद रखनी चाहिए?, रुक्मिणी ने बिना किसी हिचक के जवाब दिया ये वैसा कुछ नहीं है जो हमने अब तक कन्नड़ या भारतीय सिनेमा में देखा हो। ये रॉ है, लेयर्ड है और इंसानियत की गहराइयों तक जाता है। गीथू की विज़न बोल्ड भी है और बहुत ह्यूमन भी। कांतारा: चैप्टर 1 में अपने दमदार अभिनय के बाद रुक्मिणी वसंत अब इंडियन सिनेमा की सबसे चर्चित अभिनेत्रियों में से एक बन चुकी हैं। उनकी स्क्रीन पर मौजूदगी इतनी मजबूत है कि हर नए प्रोजेक्ट के साथ उनका नाम और बड़ा होता जा रहा है। अब टॉक्सिक में, वो यश के साथ एक ऐसे किरदार में नजर आने वाली हैं जो क्रिएटिविटी और सिनेमाई सीमाओं को आगे बढ़ाने वाला साबित होगा।

रितेश, विवेक और आफताब का 'मस्ती' से भरपूर धमाकेदार गाना 'पकड़ पकड़' हुआ रिलीज़

मुंबई/एजेन्सी

'मस्ती 4' के दर्शकों के लिए उत्सुकता अब और बढ़ गई है, क्योंकि वेवबैंड प्रोडक्शन ने आज मुंबई में एक भव्य इवेंट के दौरान बहुप्रतीक्षित गाना 'पकड़ पकड़' लॉन्च कर दिया। हालांकि फिल्म टीज़र रिलीज़ होने के बाद से ही फैन्स बेसब्री से इस गाने का इंतज़ार कर रहे थे और आज जब यह इंतज़ार पूरे धूमधड़ाके के साथ खत्म हो गया है, तो इसने फिल्म की मस्तीभरी आत्मा को और भी जीवंत कर दिया है। लॉन्च इवेंट में मौजूद रही फिल्म की पूरी टीम, रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय, आफताब शिवदासानी, तुषार कपूर, मिलाप मिलन ज़वेरी, रूही सिंह, श्रेया शर्मा, एलनाज़ नूरौज़ी, शाद रंधावा, निशांत मलकानी, ए. झुनझुनवाला, शिखा करण अहलूवालिया, इंद्र कुमार, अशोक ठकेरिया और उमेश बंसल ने मिलकर माहौल को ठहाकों, संगीत और पुराने मस्ती फ्रेंचाइज़ की मशहूर दोस्ती से भर दिया। गौरतलब है कि आज रिलीज़ हुआ 'पकड़ पकड़' गीत, एक जोशीला, एनर्जेटिक नंबर है, जो फिल्म के कॉमिक और शरारती मूड को बखूबी दर्शाता है। इसमें बॉलीवुड की आइकॉनिक तिकड़ी रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी यानी अमर, मीत और प्रेम एक बार फिर अपने फुल-ऑन मस्ती वाले अंदाज़ में नज़र आ रहे हैं। दानिश साबरी के लिखे इस गाने को न सिर्फ मीत ब्रदर्स ने कंपोज़ किया है, बल्कि गाया भी है। भव्य पैमाने पर फिल्माया गया यह ट्रैक तिकड़ी की बेहतरीन टाइमिंग, मस्तीभरी केमिस्ट्री और झूमने पर मजबूर कर देने वाले बीटस को सामने लाता है।

इस मौके पर मीत ब्रदर्स ने कहा, यह हमारा मिलाप के साथ तीसरा प्रोजेक्ट है और हमेशा की तरह इसका अनुभव भी जबरदस्त रहा। मिलाप को अपनी विज़न का पूरा अंदाज़ा होता है और वह हर गाने में एक अलग ही एनर्जी भर देते हैं। 'पकड़ पकड़' एक प्यारा, नॉटी और फिल्म की वाइब को आगे बढ़ाने वाला ट्रैक है। हमने 'मस्ती 4' के लिए दो और गाने बनाए हैं, जिनमें 'वन इन करोड़' और 'नागिन' जल्द ही रिलीज़ होंगे! मिलाप मिलन झावेरी द्वारा लिखित और निर्देशित 'मस्ती 4' एक रंगीन, शरारती और हंसी से भरपूर एंटरटेनर है। यह फिल्म प्रतिष्ठित 'मस्ती' सीरीज़ का एक नया अध्याय है, जिसमें टैगलाइन लव वीज़ा के साथ मूल तिकड़ी फिर से अपने शरारती अंदाज़ में लौट रही है। 'मस्ती 4' को लेकर फैन्स काफी उत्साहित हैं, क्योंकि इस बार तुषार कपूर, नरगिस फाखरी और अरशद वारसी भी इस मस्तीभरे दंगल का हिस्सा हैं! इनके अलावा श्रेया शर्मा, रूही सिंह, एलनाज़ नूरौज़ी, निशांत मलकानी और शाद रंधावा भी इस पागलपन में अपना रंग भरते नज़र आएंगे। ब्रिटेन के खूबसूरत लोकेशनों पर शूट की गई इस फिल्म में शानदार सिनेमैटोग्राफी के साथ ग्लॉसी प्रोडक्शन डिजाइन और हाई-एनर्जी कॉमिक पंच भी देखने को मिलेगा।

वेवबैंड प्रोडक्शन और ज़ी स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत, तथा मारुति इंटरनेशनल और बालाजी टेलीफिल्म्स के सहयोग से बनी 'मस्ती 4' का निर्माण ए. झुनझुनवाला और शिखा करण अहलूवालिया ने किया है, जबकि इंद्र कुमार, अशोक ठकेरिया, शोभा कपूर, एकता कपूर और उमेश बंसल सह-निर्माता हैं। तो मिलाप मिलन झावेरी के ट्रेडमार्क ह्यूमर के साथ 'मस्ती 4' तैयार है बॉलीवुड की सबसे मज़ेदार तिकड़ी को फिर से एक धमाकेदार, प्यार और हंसी से भरपूर सफर पर ले जाने के लिए, जो इस साल की सबसे मनोरंजक वापसी साबित होगी!

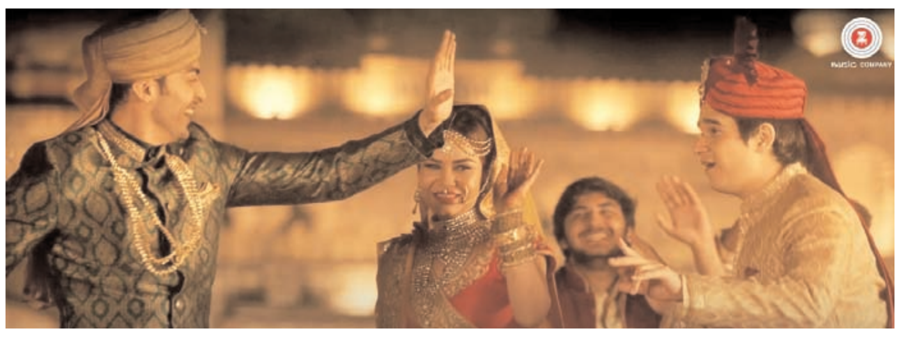

हितेन तेजवानी स्टारर फिल्म 'मानो या ना मानो' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता हितेन तेजवानी, राजीव ठाकुर और शिखा मल्होत्रा स्टारर फिल्म 'मानो या ना मानो' एनीथिंग इज पॉसिबल का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर ने दर्शकों के बीच रहस्य और सस्पेंस का माहौल बना दिया है। कहानी की अनोखी अवधारणा और रहस्यमयी संवादों ने जिज्ञासा को और बढ़ा दिया है।

अब दर्शक बेसब्री से फिल्म के रिलीज होने का इंतज़ार कर रहे हैं। 'मानो या ना मानो' हॉलीवुड की चर्चित कल्ट क्लासिक फिल्म 'द मैन फ्रॉम अर्थ' का आधिकारिक हिंदी रीमेक है, जिसे मशहूर साइंस फिक्शन लेखक जेरोम बिक्सबी ने लिखा था। खास बात यह है कि पूरी फिल्म को एक ही लोकेशन पर शूट किया गया है, जिससे कहानी और भी अधिक संकेंद्रित और प्रभावशाली बन जाती है। फिल्म एक ऐसे व्यक्ति की कहानी पेश करती है जो अपने दोस्तों को यह चौंकाने वाला सच बताता है कि वह पिछले 14 हजार सालों से ज़िंदा है और 40 साल की उम्र के बाद कभी बूढ़ा नहीं हुआ। यह रहस्य सुनकर दोस्तों के बीच उठने वाली चर्चाएं और बहसें कहानी को बेहद दिलचस्प बनाती हैं।

फिल्म के बारे में अभिनेता हितेन तेजवानी ने कहा, मानो या ना मानो' मेरे लिए बहुत खास फिल्म है। यह कहानी इंसान के जीवन, समय और अमरता को लेकर नए सवाल उठाती है। यह एक ऐसा अनुभव है जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर देगा। मुझे खुशी है कि यह फिल्म डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से दर्शकों तक आसानी से पहुंचने वाली है। वहीं, लेखक और निर्देशक योगेश पगारे ने फिल्म को लेकर कहा, यह फिल्म रहस्य, भावनाओं और विचारों का एक अनोखा मिश्रण है।

कहानी की जड़ें बहुत गहरी हैं, और इसे एक ही लोकेशन पर शूट करना हमारे लिए एक बड़ा चैलेंज था। दर्शकों की रुचि बनाए रखना और फिल्म को विजुअली आकर्षक बनाना हमारी टीम के लिए एक रोमांचक सफर रहा। फिल्म का प्रीमियर 7 नवंबर 2025 को साय फ़ाय इंडियन फिल्म्स के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर, केवल मेंबर्स के लिए एक्सक्लूसिव तौर पर किया जाएगा।

कम फिल्में करता हूं, मकसद एक अच्छी जिंदगी जीना है : मानव कौल

मुंबई/भाषा

'काई पो चे' और 'तुम्हारी सुलू' जैसी फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले अभिनेता मानव कौल का कहना है कि वह फिल्म जगत में एक ''धीमी और सहज'' गति से आगे बढ़ना पसंद करते हैं तथा केवल उन परियोजनाओं का हिस्सा बनना चाहते हैं जिनमें उनकी वास्तविक रुचि हो। कौल अभिनेता, लेखक और थिएटर निर्देशक हैं। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, ''मैं ज्यादा फिल्में नहीं देखता और मेरी इसमें कोई रुचि नहीं है। मैं इतना बड़ा अभिनेता नहीं हूं कि फिल्मों से बॉक्स ऑफिस पर भीड़ को खींच सकूं। मैं कम काम (फिल्में) करता हूं। मेरा मकसद एक अच्छी जिंदगी जीना है, जो भी मुझे दिलचस्प लगेगा, मैं वह काम करूंगा।'' अभिनेता इस बार फिल्म 'बारामूला' में दिखाई देंगे। उन्होंने कहा कि उनके लिए फिल्म करने का एकमात्र मापदंड यह है कि वह उन्हें ''मनोरंजन'' दे। 'आर्टिकल 370' से मशहूर हुए आदित्य सुहास जांभले द्वारा लिखित और निर्देशित इस आगामी फिल्म में कौल की पत्नी के रूप में भाषा सुम्बली नजर आएंगी।

कौल ने कहा, ''मैं कहीं न कहीं किनारे पर हूं, लोग मुझे देखते हैं और मुझे काम देते हैं और मैं वह चुनता हूं जो मुझे सही लगता है या जो मेरे लिए मनोरंजक है; इसके अलावा कोई मापदंड नहीं है। चीजें ठीक चल रही हैं, धीरे और सहजता से तथा मैं यही चाहता हूं।''बारामूला में जन्मे अभिनेता कौल ने कहा कि कश्मीर के समृद्ध इतिहास और जटिल मुद्दों से परिचित होने के कारण उन्हें 'बारामूला' की कहानी अच्छी लगी। इस फिल्म का निर्माण जियो स्टूडियो की ज्योति देशपांडे ने बी62 स्टूडियो के आदित्य धर और लोकेश धर के साथ मिलकर किया है। यह सात नवंबर को नेटफ्लिक्स पर दिखेगी।

शुभ कर्मों के उदय होने से सुख शांति की प्राप्ति होती है : डॉ समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम एएमकेएम से प्रथम विहार महाराष्ट्र भवन के लिए करने के पश्चात धर्म सभा को संबोधित करते हुए समकित मुनिजी म.सा. ने अपने प्रवचन में बताया के जीवन में कभी खुशी और कभी गम मिलता है। शुभ कर्म का उदय हो तो खुशी मिलती है तथा अशुभ कर्म का उदय होने पर गम मिलता है। हमारी आत्मा के साथ कर्म दूध और पानी के जैसे मिले हुए हैं। जब तक कर्म आत्मा के साथ चिपके रहेंगे तब तक आपको सिद्धियां नहीं मिलेगी। आज सबसे अधिक सुख तथा दुख कर्म के उदय के कारण हैं। अगर शुभ कर्म का उदय हैं तो संपत्ति और बाकी के सुख मिलते हैं लेकिन वह सुख संसार को बढ़ाने में सहायक होते हैं। वह संपत्ति कर्म बंध का कारण बन जाता है भगवती सूत्र में भगवान महावीर से जयंती श्राविका ने एक प्रश्न पूछा की आत्मा हल्की होती है या भारी गुरदेव कहते हैं कि आत्मा का स्वभाव हल्का होता है परंतु आठो कर्म की वजह से यह जीवात्मा भारी बनती रहती है एक दृष्टांत के द्वारा जयंती श्राविका को समझाते है कि कास्ट का पात्र को तालाब मे डालने से वह तैर जाता है वहीं कास्ट के पात्र को गीली मिट्टी से आठ बार लेप लगाने से वही पात्र पानी में डूब जायेगा। उसी प्रकार आठ कर्म बंध के कारण यह आत्मा संसार सागर में डूब रही है। आज वीर लोकाशाह जयंती मनाई गई लोकाशाह के बारे में बताया गया कि उन्होंने अपने जीवन में जैन धर्म के लिए अपने आप को कुर्बान कर दिया। आज उन्हीं की वजह से हम आगम का अध्ययन कर पा रहे हैं और हम आगम की जानकारी ले पा रहे हैं अगर वह नहीं होते तो यह आगम हमारे हाथ में नहीं होता और आम जनता आगम का ज्ञाता नहीं हो पाता।

मुनिश्री ने बताया कि कभी किसी के साथ न तो मनमुटाव हुआ और ना कोई टकराव हुआ एक दूसरे के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करते रहे। महाराष्ट्र भवन में कार्यक्रम का मंच संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जैन समाज के लेखक डॉ कुशलचंद छाजेड़ द्वारा लिखी पुस्तक की सफलता के लिए जुगराज लोढ़ा मेडिकल हॉस्पिटल सैदापेट के चेयरमैन और एस.एस. जैन संघ सैदापेट के कोषाध्यक्ष कमल चंद छाजेड़, कलकत्ता से कमेटी फोर प्रोटेक्शन ऑफ डेमोक्रेटिक ह्यूमन राइट्स (वेस्ट बंगाल) के सचिव विजय सिंह बोथरा, गोगलाव संघ, चेन्नई के मार्गदर्शक जयचंदलाल कांकरिया, सुराणा भाईपा संघ चेन्नई कै सदस्य लीलम चंद सुराणा ने सम्मान किया।

नेल्लोर के 64 वर्षीय व्यक्ति का नारवी अस्पताल में हुआ सफल लिवर ट्रांसप्लांट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेलूर। यहां कलक्ट्रेट मार्ग स्थित नारवी अस्पताल में आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले के एक 64 वर्षीय व्यक्ति का सफलतापूर्वक लिवर ट्रांसप्लांट किया गया। मरीज का लिवर पूरी तरह फेल हो जाने के कारण उसकी जान को गंभीर खतरा था, लेकिन अस्पताल के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के चिकित्सकों ने यह जटिल शल्यक्रिया कर उसकी जान बचाई। दलपतसिंह भायल से प्राप्त जानकारी के अनुसार अस्पताल के निदेशक डा. संपत विश्वनाथन ने बताया कि यह नारवी अस्पताल की एक महत्वपूर्ण चिकित्सा उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि मरीज को गंभीर अवस्था में भर्ती किया गया था। जांच के बाद डॉक्टरों ने पाया कि लिवर पूरी तरह से काम करना बंद कर चुका है और उसे केवल लिवर ट्रांसप्लांट से ही बचाया जा सकता है। तमिलनाडु सरकार की अंगदान नियामक संस्था ट्रान्सटन के अंतर्गत लाइसेंस प्राप्त नारवी अस्पताल ने अंग प्रत्यारोपण के लिए पंजीकरण किया था। इसी दौरान, चेन्नई के एक निजी अस्पताल में सड़क दुर्घटना में घायल 24 वर्षीय युवक को ब्रेन डेड घोषित किया गया, जिसके परिजनों ने अंगदान का महान निर्णय लिया। ब्रेन डेड युवक का लिवर ट्रान्सटन के माध्यम से नारवी अस्पताल को आवंटित किया गया। अंग को चेन्नई से वेलूर तक सुरक्षित रूप से पहुंचाया गया, जिसके बाद विशेषज्ञ टीम ने करीब 12 घंटे तक चली शल्यक्रिया में मरीज का लिवर सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, मरीज अब पूरी तरह स्वस्थ है और रिकवरी प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है।

एसआईआर पर नजर रखी जाए, तमिलनाडु में 'वोट चोरी' की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने शुक्रवार को कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया की निगरानी की जानी चाहिए और तमिलनाडु में वोट चोरी' की स्थिति नहीं आने दी जानी चाहिए। टीवीके प्रमुख विजय पर परोक्ष रूप से हमला करते हुए स्टालिन ने कहा कि कुछ लोग द्रमुक को नष्ट करने का सपना देखते हैं, लेकिन कोई भी उसे छूने की हिम्मत नहीं कर सकता।

द्रमुक अध्यक्ष स्टालिन ने एक समारोह को संबोधित करते हुए तमिलनाडु में एसआईआर अभियान की शुरुआत का उल्लेख किया और कहा कि द्रमुक ने एसआईआर का विरोध करने के लिए दो नवंबर को कई दलों की एक बैठक की थी और उनकी पार्टी ने इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की थी।

मुख्यमंत्री ने कहा, हालांकि, कानूनी लड़ाई (न्यायालय में एसआईआर के खिलाफ द्रमुक की) एक पहलू है, मतदाता सूची संशोधन का काम भी साथ-साथ चल रहा है। इस पर नजर रखना हमारी बड़ी जिम्मेदारी है। आपको यह नहीं भूलना चाहिए कि आज के संदर्भ में यह बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि 11 नवंबर को द्रमुक के नेतृत्व वाला धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ अपनी भावनाएं व्यक्त करने के लिए जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन करेगा।

दक्षिण रेलवे के चेन्नई मंडल में रेल सेवा पुरस्कार आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां शुक्रवार को दक्षिण रेलवे के चेन्नई डिवीजन का 70वां रेलवे सप्ताह समारोह - रेल सेवा पुरस्कार 2025 पार्क टाउन के चेन्नई रेल ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। चेन्नई मंडल के मंडल रेल प्रबंधक शैलेन्द्र सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई, जबकि वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी बी. लावण्या ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत रेलवे बाल भवन स्कूल, रेलवे हायर सेकेंडरी स्कूल, पेरम्बूर के विद्यार्थियों और रेलवे कर्मचारियों द्वारा एकल और समूह प्रदर्शन के साथ एक जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुई।

इस मौके पर शैलेन्द्र सिंह ने प्रभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की उनके समर्पण, कड़ी मेहनत और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने उन गुमनाम नायकों और नामांकित व्यक्तियों सहित कर्मचारियों के प्रेरक योगदान की सराहना की, जो प्रभाग के सुचारू संचालन और प्रगति के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं। उन्होंने चेन्नई मंडल के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। रेलवे बोर्ड द्वारा तांबरम-चेंगलपट्टू चौथी लाइन परियोजना को मंज़ूरी, जिसका काम जल्द ही शुरू होने वाला है। इस परियोजना से रेल संचालन में उल्लेखनीय वृद्धि और यात्री सुविधाओं में सुधार की उम्मीद है।

समारोह के दौरान, तीन अधिकारियों और 74 कर्मचारियों को 2024-25 के दौरान उनकी सराहनीय सेवा के लिए सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति) बी.एन.एस. चालम, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक तेज प्रताप सिंह और अंकुर चौहान उपस्थित थे। समारोह का समापन चेन्नई डिवीजन की सहायक कार्मिक अधिकारी के. श्रीरंगनायकी द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी एम. सेंथिल कुमार ने घोषणा की कि मंडल रेल प्रबंधक ने सांस्कृतिक टीम को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 50,000 रुपये का सामूहिक नकद पुरस्कार प्रदान किया है।

सत्कर्म कर पुण्य का संचय करें : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु। शहर के गुरु ज्येष्ठ पुष्कर आराधना केन्द्र में अपने इस वर्ष का आध्यात्मिक चातुर्मास पूर्ण कर अपने विहार यात्रा के अगले पड़ाव में उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी, साध्वी सत्यप्रभाजी, सुप्रभाजी, डॉ मेघाश्रीजी ने शुक्रवार को प्रातः आठ बजे पार्क वेस्ट संघ से विहार कर घर घर गूंजेगा नवकार महामंत्र जाप नामक जाप के कलश के लाभार्थी भंसाली परिवार के साथ चामराजपेट स्थित महाविदेह अपार्टमेंट में मंगल प्रवेश किया। जहां पर नवकार महामंत्र जाप के कलश लाभार्थी परिवार रमेशकुमार पवनकुमार भंसाली ने संतों का स्वागत किया।

इस अवसर पर उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने प्रभु महावीर के जीवन के सत्य को उद्घाटित करने वाला एक शिक्षा सूत्र बताते हुए कहा कि शुभ कर्मों का फल शुभ होता है और अशुभ कर्मों का फल अशुभ होता है। उन्होंने शुभ, अशुभ और शुद्ध इन तीन शब्दों पर सारगर्भित विवेचना प्रस्तुत करते हुए, जो शुभ है वह पुण्य, पाप को अशुभ और शुद्ध को निर्जरा का हेतु बताया।

भाव-विभोर वातावरण में मुमुक्षु निर्मलादेवी बनीं साध्वी यत्नाभानुनिधि

मां ने अपनाया संयम पद, संपन्न हुई भागवती दीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ के तत्वावधान और आचार्यद्वय कुलबोधि सूरिश्वरजी एवं हीरचंद्रसूरिश्वरजी म.सा. की पावन निश्रा में अष्टान्हिका महोत्सव के अंतर्गत शुक्रवार को मुमुक्षु निर्मलादेवी नेमीचंद जैन की भागवती दीक्षा अत्यंत उत्साह और श्रद्धा से संपन्न हुई। इस अवसर पर शहर में विराजित पंन्यास निर्मोहविजयजी, पंन्यास ज्ञानबोधि विजयजी, राष्ट्रसंत श्री कमलमुनि कमलेश सहित अनेक साधु-साध्वियों का मंगल सान्निध्य प्राप्त हुआ। संघ के चेयरमैन शांतिलाल जैन ने स्वागत किया।

दीक्षा पूर्व की शास्त्रोक्त विधियों एवं क्रियाओं के पश्चात् मुमुक्षु के आग्रह पर आचार्यद्वय ने रजोहरण प्रदान किया। रजोहरण की प्राप्ति के क्षण में प्रसन्नता, भक्ति और भावविभोरता का वातावरण ऐसा बना कि उपस्थित श्रद्धालुओं की आंखें भावाश्रु से भर उठीं। तत्पश्चात् केशलोच कर मुमुक्षु ने साधु वेश धारण किया। उसके पश्चात् आचार्यद्वय ने नवदीक्षित साध्वीजी का नामकरण किया। वे अब साध्वी कर्तव्यनिधिजी की शिष्या साध्वी यत्नाभानुनिधि के नाम से जानी जाएंगी। इस अवसर पर लाभार्थी परिवारों ने श्रद्धापूर्वक चारित्र उपकरण बहोराए।

आचार्यश्री कुलबोधि सूरिश्वरजी ने इस मौके पर कहा कि आज एक माता संयम पद पर अभिषिक्त हो रही हैं। उनके सुपुत्र और सुपुत्री पूर्व से ही संयम जीवन में प्रविष्ट हैं और सौवीं वर्धमान ओली तप की अनुपम साधना कर चुके हैं। भाई-बहन की इस जोड़ी ने अपनी माता को संयम का रजोहरण सबसे महान उपहार दिया है।

आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी ने कहा कि सामान्य गृहस्थ द्वारा ली जाने वाली सामायिक 48 मिनट की होती है, वहीं साधु जीवन में जीवनपर्यन्त सामायिक का पचक्खाण ग्रहण किया जाता है। नवदीक्षित साध्वीजी आज यही अनंत संयम का संकल्प धारण कर रही हैं।

पंन्यास प्रवर विमल पुण्यविजयजी म.सा. ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि आज ऋणमुक्ति का पावन क्षण है। माता-पिता, धर्म और सद्गुरु का ऋण अकल्पनीय है, परंतु माता-पिता को संयम मार्ग पर अग्रसर करना, ऋण चुकाने का सर्वोत्तम मार्ग है। मंच संचालन बिपिन सतावत ने किया तथा संगीत का संयोजन रोहन शाह द्वारा हुआ। नवकारसी के लाभार्थी वसंतादेवी जयंतीलाल पाड़ीव, इंद्रादेवी रंजीतमल जावाल, निर्मलाबेन नेमीचंद बिलोचा परमार एवं चंपालाल कांतिलाल कैलाशनगर परिवार रहे। जीवीबाई मेघराजजी साकरिया परिवार ने गुरु पूजन तथा जयंतीलाल रिखबचंद परिवार ने गुरु भगवंतों को कांबली अर्पित करने नका लाभ लिया।

कमलमुनिजी कमलेश ने कहा कि संत की पहचान उसके बाहरी परंपरा संप्रदाय और वेश और बाहरी उपासना पद्धति से नहीं होती है। बल्कि उसके निर्मल पवित्र विचारों से व्यवहार से उसका मूल्यांकन होता है। परंपराओं की सीमा में कैद होकर गुरु का मूल्यांकन करना, स्वीकार करना, अज्ञानता का परिचय है।

कार्यक्रम में मुनि दीनदयाल म.सा. द्वारा रचित 'मधुरभाषिणम' का लोकार्पण हुआ, जिसमें सुप्रसिद्ध गीतकार श्रेणिक नाहर ने स्वर संयोजन दिया। सायंकाल 'एक शाम वर्धमान तपोनिधि के नाम' भक्ति संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें पारस गड़ा, देवांश दोसी, स्मित कोठारी एवं जैनम संघवी का कला एवं भाव संयोजन रहा।

संघ अध्यक्ष अरुण ओस्तवाल ने बताया कि शनिवार प्रातः भुवनभानु संयम तपोवाटिका में साधु-साध्वी भगवंतों की सौवीं ओली तप का पारणोत्सव आयोजित होगा। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन संघ मंत्री मुकेश शाह ने किया।

त्रिपुरा में बजट का 40 प्रतिशत हिस्सा आदिवासी कल्याण के लिए रखा गया : मुख्यमंत्री

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा है कि उनकी सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल बजट परिव्यय का 40 प्रतिशत हिस्सा आदिवासी कल्याण के लिए रखा है। चालू वित्त वर्ष के लिए राज्य का बजट 32,000 करोड़ रुपये है। मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को धलाई जिले के चैलेंग्टा में एक कार्यक्रम में कहा कि आदिवासी लोगों के उत्थान के बिना पूर्वोत्तर राज्य का विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा, ''राज्य सरकार ने इस वास्तविकता को ध्यान में रखते हुए 2025-26 वित्त वर्ष के दौरान आदिवासी क्षेत्र के विकास के लिए बजट का 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सा रखा है। सरकार आदिवासियों, विशेष रूप से पुनर्वासित ब्रू लोगों के कौशल विकास पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है।'' अपने गृह राज्य मिजोरम में 1990 के दशक में हुई जातीय हिंसा के कारण त्रिपुरा में रह रहे ब्रू समुदाय के हजारों परिवार 2020 में हस्ताक्षरित एक समझौते के बाद इस राज्य के कई जिलों में पुनर्वासित किए गए।

चेन्नई के भक्तों द्वारा गुरुदेव को सम्मान पत्र दिया गया।

माता ज्वालामालिनी के दरबार में गुरुदेव सत्यज्वाला की निश्रा में उपस्थित गणमान्य।

गंगानगर में गूंजे माता ज्वालामालिनी के जयकारे

गुरुदेव सत्यज्वाला की निश्रा में निकली शोभायात्रा
अभिषेक, मंगलपाठ, जाप ज्योत के साथ हुई एकासन तप की पूर्णाहुति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। संजीवनी ज्वाला सेवा मंडल सैदापेट (चेन्नई) तथा संजीवनी ज्वाला सेवा संघ गंगानगर के तत्वावधान में शुक्रवार को ज्वालामालिनी माता के साधक गुरु सत्यज्वालाजी के सान्निध्य में गंगानगर स्थित राठौड़ भवन में ज्वालामालिनी मैया का अभिषेक, मंगलपाठ, जाप ज्योत सह गुरुदेव सत्यज्वालाजी के 127 दिन की साधना व एकासन तप का पूर्णाहुति महोत्सव उल्लासपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। शुक्रवार को सुबह चन्द्रप्रभु अधिष्ठायिका ज्वालामालिनी माता का पालकी उत्सव सह वरघोड़ा गंगानगर के चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर से निकाला गया जो क्षेत्र के विभिन्न मार्गों से होता हुआ राठौड़ भवन में प्रवेश हुआ। इस वरघोड़े का मुख्य आकर्षण पालकी पर विराजित ज्वालामालिनी माता की आकर्षक प्रतिमा थी। भवन में पहुंचकर विभिन्न नदियों से लाए गए जल व विशेष औषधियों से महिलाओं व अन्य श्रद्धालुओं द्वारा माता ज्वालामैया का विशेष जलाभिषेक किया गया तथा विशेष श्रृंगार किया गया। इस आयोजन में बेंगलूरु के सुरेश पारीक व चेन्नई की उषा परमार ने भजनों की प्रस्तुति देकर पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। इसके बाद गुरु सत्यज्वालाजी ने अपने प्रवचन में ज्वालामालिनी की कृपा के बारे में बताते हुए कहा कि जो सच्चे मन से ज्वालामालिनी का जाप करता है उसके हर अटके कार्य के समाधान में 27 दिनों के अंदर सफलता मिलती है। उन्होंने अपनी आध्यात्म यात्रा व साधना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज जो भी कुछ हैं वह सब कुछ माता ज्वालामालिनी की कृपा से है। प्रवचन के पश्चात सभी श्रद्धालुओं ने ज्वालामालिनी मातारानी का जाप, आरती व ज्योत ली। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने बढ़ चढ़ कर विभिन्न चढ़ावों में भाग लिया। कार्यक्रम के मध्य में लाभार्थी परिवार ने गुरु सत्यज्वालाजी का पारणा करवाया और भोजन करवाया। अंत में चेन्नई संघ की सदस्याओं ने गुरु सत्यज्वालाजी को अभिनंदन पत्र प्रदान कर सम्मान किया। कार्यक्रम में शीघ्र ही चन्द्र ज्वाला शक्तिपीठ की स्थापना करने की भावना व्यक्त की गई। सभी उपस्थित भक्तों द्वारा माता रानी को अक्षत व पुष्प वर्षा की गई। महोत्सव के लाभाथी स्व. इन्दरमल गुणमाला देवी, अजय-मोना, रितेश-नेहा पामेचा परिवार; पारसमल-कोमल, विशाल-खुशबू चोरड़िया परिवार; अशोक-वंदना, लोहित छाजेड़ परिवार; और सिकन्दराबाद के उज्वल-मानकंवर मकाणा परिवार रहे। सभी लाभार्थियों का सम्मान किया गया। इस मौके पर चेन्नई की प्रिया अबानी, संतोष बाई गुंदेचा, महेन्द्र जैन आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मधु बाई गुलेचा और साहित्यकार मनोहर भारती ने किया। रितेश पामेचा ने सभी को धन्यवाद दिया। बेंगलूरु के उपनगर चामराजपेट, शांतिनगर और चिकपेट क्षेत्र के अनेक श्रद्धालुओं सहित चेन्नई से भी अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.